हिन्दी दैनिक

सत्ता संकेत

आज़ादी का अमृत महोत्सव | G20 भारत 2023 INDIA

काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव 09 अगस्त, 2024-09 अगस्त, 2025

मंगलवार, 24 सितंबर 2024, लखनऊ | sattasanket@gmail.com | R.N.I. No.: UPHIN/2016/69492 | वर्ष 09, अंक 112 04 पेज, मूल्य ₹1.00

सुलतानपुर की सराफा डकैती में फरार अनुज सिंह मुठभेड़ में ढेर

उन्नाव, संवाददात।

उत्तर प्रदेश में उन्नाव जिले के अचलगंज क्षेत्र में पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने सोमवार को एक सशस्त्र मुठभेड़ में सुल्तानपुर में सर्राफ लूट कांड में एक लाख रुपये ■ शेष पेज 04 पर

एनकाउंटर में मारे गए अनुज के पिता बोले- अखिलेश यादव की इच्छा पूरी हो गई

मुठभेड़ में मारा गया ठाकुर

अमेठी, संवाददात।

सुल्तानपुर सराफा लूटकांड के आरोप में एसटीएफ द्वारा उन्नाव में मारे गए शातिर अनुज प्रताप सिंह के पिता ने सरकार व सपा मुखिया पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। मोहनगंज के जनापुर निवासी धर्मराज सिंह ने कहा कि उनका बेटा अनुज चार जून को घर से गया था। उसे पुलिस ने एनकाउंटर में मार दिया है।उन्होंने कहा कि जिन लोगों पर 35 से 40 मुकदमें हैं। उनका कुछ नहीं हो रहा है। उनके बेटे पर एक मुकदमा था और सुल्तानपुर डकैती में नाम आया। पुलिस ने उनके ■ शेष पेज 04 पर

बसों का फास्ट टैग हैक चुकाना पड़ा दो गुना टोल

लखनऊ, संवाददाता।

परिवहन निगम की 20 बसों के फास्ट टैग हैक होने की सूचना से सोमवार को विभाग में हड़कम्प मच गया। टोल प्लाजा पर इन बसों के फास्ट टैग को ब्लॉक बता दिया गया। कहीं पर टोल कर्मचारी ने कहा कि यह एसबीआई से जुड़ा है तो कहीं दूसरे बैंक का बताया गया जबकि इन बसों के टैग एसबीआई के सरकारी बैंक खाते से सम्बद्ध है। ब्लॉक बताने की वजह से इन बसों के लिए दो गुना टोल टैक्स देना पड़ा। इसकी सूचना पर अफसरों ने स्टेट बैंक को देने के साथ ही साइबर थाने में भी शिकायत की है। अफसरों ने आशंका व्यक्त की है कि कहीं साइबर अपराधी इस हरकत के जरिये सरकारी खाते से बड़ी धनराशि उड़ाने का प्रयास तो नहीं कर रहे थे।

सुल्तानपुर डकैती प्रकरण- अखिलेश यादव ने कहा

फर्जी एनकाउंटर नाइंसाफी है

लखनऊ, एजेंसी।

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने सुल्तानपुर डकैती केस में यूपी एसटीएफ की कार्रवाई पर कहा कि सबसे कमजोर लोग एनकाउंटर को अपनी शक्ति मानते हैं। किसी का भी फजी एनकाउंटर नाइंसाफी है।

उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर कहा, हिंसा और रक्त से उत्तर प्रदेश की छवि धूमिल करना भविष्य के लिए एक बड़ा षड्यंत्र है। आज के सत्ताधारी जानते हैं कि वो भविष्य में फिर कभी वापस नहीं आएंगे, इसलिए वो जाते-जाते उत्तर प्रदेश में ऐसे हालात पैदा कर देना चाहते हैं कि यहां कोई निवेश ही ना करे। उत्तर प्रदेश की जागरूक जनता ने जिस तरह लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराया है, भाजपाई उसी का बदला ले रहे हैं।अंत में समाजवादी पार्टी के प्रमुख ने एनकाउंटर को निंदनीय बताते हुए कहा जिनका खुद का कोई भविष्य नहीं होता, वही लोग दूसरों का भविष्य बिगाड़ते हैं।

जब अखिलेश यादव ने उन्नाव में हुए एनकाउंटर में डकैती के आरोपी अनुज सिंह के मारे जाने पर काफी देर तक चुप्पी अख्तियार कर ■ शेष पेज 04 पर

खास खबर

82 बीईओ पर कार्रवाई की तैयारी

लखनऊ। शिक्षकों के वेतन वृद्धि को रोकने वाले 82 बीईओ पर निलंबन की तलवार लटक गई है। शासन ने ऐसे सभी बीईओ (खण्ड शिक्षा अधिकारी) के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया है, जिन्होंने एक जिले से दूसरे जिले में स्थान्तरित होकर गए 2700 शिक्षकों की वेतन वृद्धि संबंधी मामले को अब तक लटका कर रखा है। दरअसल विधान परिषद में शिक्षक दल के नेता ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने इस मामले को मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाते हुए तत्काल शिक्षकों के वेतन वृद्धि के आदेश जारी कराने की मांग की थी. मुख्यमंत्री सचिवालय ने मामले को गम्भीरता से लेते हुए तत्काल अद्यतन जानकारी मांगी थी।

कई विभागों में कार्ययोजना लागू नहीं

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा करीब ढाई साल पहले दी गई कार्ययोजना पर अमल करने को ज्यादातर विभागों की कोई दिलचस्पी नहीं दिखती है। केवल 30 विभागों ने अपना काम सही तरीके से किया है। 64 विभागों ने आधा अधूरा फीडबैक दिया है।अब योगी सरकार ने इन्हीं 64 विभागों के अपर मुख्य सचिवों को पत्रभेज कर अधूरे काम की याद दिलाई है। इसमें कहा गया है कि सीएमआईएस (मुख्यमंत्री अनुश्रवण प्रणाली) पोर्टल पर 6 माह, एक वर्ष, दो वर्ष की कार्ययोजना व उस पर अमल रिपोर्ट पर प्रत्येक माह की 5 तारीख तक देनी थी लेकिन पोर्टल पर उसकी प्रगति अपडेट नहीं हो रही है।कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग ने सभी विभागों को पत्र भेजकर 17 मई 2022 के आदेश की याद दिलाई है। इसमें कहा गया है कि विभागों को अपनी कार्ययोजना सीएमआईएस पोर्टल पर अपलोड करनी थी जो अभी तक नहीं हुई।

बसों का फास्ट टैग हैक चुकाना पड़ा दो गुना टोल

लखनऊ। परिवहन निगम की 20 बसों के फास्ट टैग हैक होने की सूचना से सोमवार को विभाग में हड़कम्प मच गया। टोल प्लाजा पर इन बसों के फास्ट टैग को ब्लॉक बता दिया गया। कहीं पर टोल कर्मचारी ने कहा कि यह एसबीआई से जुड़ा है तो कहीं दूसरे बैंक का बताया गया जबकि इन बसों के टैग एसबीआई के सरकारी बैंक खाते से सम्बद्ध है। ब्लॉक बताने की वजह से इन बसों के लिए दो गुना टोल टैक्स देना पड़ा। इसकी सूचना पर अफसरों ने स्टेट बैंक को देने के साथ ही साइबर थाने में भी शिकायत की है। अफसरों ने आशंका व्यक्त की है कि कहीं साइबर अपराधी इस हरकत के जरिये सरकारी खाते से बड़ी धनराशि उड़ाने का प्रयास तो नहीं कर रहे थे।

हम बंटे थे तो कटे थे

इसलिए 500 वर्ष तक अयोध्या में इंतजार करना पड़ा: मुख्यमंत्री योगी

मिजार्पुर, एजेंसी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या में प्रभु रामलला के भव्य मंदिर को तोड़कर आक्रांताओं ने गुलामी का ढांचा खड़ा कर दिया था। उसका कारण एक ही है, हम बंटे थे, इसलिए कटे थे। बंटिए मत, बल्कि एकजुट होकर विकास व सुरक्षा के माहौल में आगे

सीएम योगी ने नवरात्रि को मिशन शक्ति अभियान को समर्पित करने के दिये हैं निर्देश

लखनऊ, एजेंसी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर संस्कृति विभाग आगामी नवरात्रि पर्व पर भव्य आयोजन की तैयारी में जुट गया है। प्रदेशभर के सभी देवी मंदिरों और शक्तिपीठों में विविध सांस्कृतिक ■ शेष पेज 03 पर

जाति का खेल खेलने वालों को विकास अच्छा नहीं लगता

बढ़िए। डबल इंजन की सरकार हर सुखदुख में आमजन के साथ खड़ी होकर वर्तमान को सुधारेगी और भविष्य को भी उज्ज्वल बनाने की प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी।

योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को मीरजापुर के गोपालपुर, विकासखंड पहाड़ी में 765 करोड़ की 127 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया। कार्यक्रम में स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत 1500 से अधिक युवाओं को स्मार्टफोन व टैबलेट वितरित किये गए। साथ ■ शेष पेज 03 पर

योगी राज में एनकाउंटर का अर्ध शतक

लखनऊ, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साढ़े सात वर्ष के कार्यकाल में यूपी की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने खूंखार अपराधियों को मुठभेड़ में मार गिराने की हाफ सेंचुरी पूरी कर ली है। 50 वें अपराधी के रूप में एसटीएफ ने सुल्तानपुर डकैती कांड के आरोपी बदमाश अनुज को मार गिराया। आज 23 सितंबर की सुबह सुल्तानपुर डकैती कांड में शामिल एक लाख के इनामी अनुज प्रताप सिंह को एसटीएफ ने उन्नाव में एनकाउंटर में ढेर कर दिया था। एसटीएफ ने प्रदेश की कानून व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए एसटीएफ ने विभिन्न ■ शेष पेज 04 पर

चाइल्ड पोर्न देखना अपराध

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला, डाउनलोड करना भी क्राइम की श्रेणी में

नयी दिल्ली, एजेंसी।

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को अपने एक ऐतिहासिक फैसले में कहा कि बच्चों के साथ यौन-क्रिया के स्पष्ट चित्रण और उनसे संबंधित अपमानजनक सामग्री को रखना या देखना अपराध माना जाएगा।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पादीर्वाला की पीठ ने गैर सरकारी संगठन जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन अलायंस की अपील और राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के हस्तक्षेप पर इस विषय में मद्रास उच्च न्यायालय के एक फैसले को पलटते हुए नये दिशा निर्देश जारी किए हैं।पीठ ने कहा कि बच्चों के साथ यौन-क्रिया के स्पष्ट चित्रण और उनसे संबंधित अपमानजनक सामग्री को रखना या देखना अपराध यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम यानी पोक्सो कानून के अलावा सूचना एवं तकनीकी कानून के तहत अपराध माना जाएगा।पीठ ने अपने फैसले में केंद्र सरकार को बाल पोर्नोग्राफी शब्द की जगह संशोधित शब्दावली- बाल यौन शोषण और दुर्व्यवहार सामग्री रखने के लिए जरूरी प्रक्रिया अपनाने के निर्देश दिए हैं।

फैसलों में चाइल्ड पोर्नोग्राफी की जगह (सीएसईएएम) यानी बाल यौन शोषण और दुर्व्यवहार सामग्री शब्द का होगा इस्तेमाल

पीठ ने कहा है,संसद को ऐसे अपराधों की वास्तविकता को अधिक सटीक रूप से दर्शाने के उद्देश्य से बाल पोर्नोग्राफी शब्दावली को बाल यौन शोषण और दुर्व्यवहार सामग्री शब्दावली से प्रतिस्थापित करने के उद्देश्य से पोक्सो में संशोधन लाने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। पीठ ने यह भी कहा कि इस संशोधन के लिए फिलहाल सरकार अध्यादेश जारी कर सकती है। शीर्ष अदालत ने इसके ■ शेष पेज 03 पर

बाढ़ पीड़ितों की मदद नहीं कर रही है योगी सरकार: अखिलेश

लखनऊ, संवाददाता।

समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि राज्य की योगी सरकार बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए कहीं दिखाई नहीं दे रही है।श्री यादव ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि बाढ़ से लखीमपुर खीरी, गोण्डा, फरूर्खाबाद, बलिया, बदायूं, हरदोई, बाराबंकी, आजमगढ़, वाराणसी, उन्नाव, कन्नौज, बस्ती, हाथरस, बहराइच, शाहजहांपुर, प्रयागराज समेत कुछ अन्य जिलों में स्थिति खराब है। प्रदेश में गंगा, जमुना, घाघरा, शारदा समेत अन्य नदियों का जल स्तर बढ़ने से लोग डरे हुए हैं। सरकार को सब जानकारी है उसके बावजूद पूरी तरह वह आकर्मण्यता की शिकार है। भाजपा सरकार ने बाढ़ पीड़ितों की मदद के बजाय जनता को उनके हाल पर छोड़ दिया है।

मुख्यमंत्री योगी ने समस्त भर्ती बोर्ड और आयोगों के अध्यक्षों के साथ की महत्वपूर्ण बैठक

खाली पद समय से भरें

लखनऊ, एजेंसी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर प्रदेश के समस्त भर्ती बोर्ड एवं आयोगों के अध्यक्षों के साथ आहूत एक बैठक में वर्तमान में की जा रही सभी भर्तियों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने भर्ती बोर्ड व आयोगों से यह अपेक्षा की कि रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी व समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए।

मुख्यमंत्री जी को उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के अध्यक्ष ने हाल में ही सकुशल सम्पन्न कराई गई पुलिस भर्ती परीक्षा की प्रक्रिया व संचालन के सम्बन्ध में अवगत कराया। मुख्यमंत्री जी ने कहा

प्राइवेट संस्था को न बनाएं परीक्षा केंद्र

कि उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती की परीक्षा प्रदेश में सकुशल सम्पन्न हुई है। यह एक मॉडल बना है। परीक्षा की इस प्रक्रिया को अन्य भर्ती बोर्डों द्वारा भी अपनाया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में ई-अधियाचन पोर्टल की व्यवस्था की गई है। सभी विभाग इसका उपयोग कर अधियाचन प्रेषित करें।

जिन विभागों में नियुक्ति की जानी है, वहां से तत्काल अधियाचन आयोग को भेजकर नियुक्ति प्रक्रिया को सम्पन्न कराया जाए। मुख्यमंत्री जी ने निर्देशित किया कि किसी भी विभाग के स्तर से भर्ती प्रक्रिया को लेकर पेंडेंसी न हो। हर हाल में समय-सीमा के अंदर सुचारु ■ शेष पेज 04 पर

हमने मोदी का आत्मविश्वास तोड़ा है: राहुल गांधी

श्रीनगर/जम्मू, एजेंसी।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले 56 इंच के सीने की बात करते थे लेकिन अब नहीं करते हैं और इससे साबित होता है कि हमने उनका आत्मविश्वास तोड़ दिया है।

श्री गांधी ने जम्मू-कश्मीर में सोमवार को दो चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए कहा, हमने मनोवैज्ञानिक दबाव बनाकर श्री मोदी का आत्मविश्वास तोड़ा है। अब पहले की तरह न 56 इंच के सीने की बात करते हैं और ना ही उनके चेहरे पर पहले वाला आत्मविश्वास दिखता है। संसद से लेकर श्री मोदी के किसी भी कार्यक्रम को देखिए कि उनमें भीतर पहले वाला विश्वास नहीं दिखता है और हमने मनोवैज्ञानिक तरीके से कमजोर कर उनका आत्मविश्वास तोड़ दिया है।श्री गांधी ने कहा, इंडिया गठबंधन ने नरेंद्र मोदी को हमने साइकोलॉजिकली तोड़ दिया है, जो पहले नरेंद्र मोदी थे 56 इंच की छाती वाले, वो आज नहीं हैं। आज विपक्ष जो भी करवाना चाहता है, हम वो करवा देते हैं। मोदी सरकार कानून लाती है, हम उनके सामने खड़े हो जाते हैं, वे कानून पास नहीं करते और फिर ■ शेष पेज 04 पर

यूपी ट्रेड शो में ई-कॉमर्स नवाचार पर होगा फोकस

लखनऊ, संवाददाता।

ग्रेटर नोएडा में 25 से 29 सितंबर के बीच होने वाले ट्रेड शो में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की उपस्थिति में दुनिया उत्तर प्रदेश में निवेश व्यापार कारोबार की संभावनाओं को देखेगी।आयोजन का शुभारंभ 25 सितंबर को हो रहा है, मगर 26 से 27 सितंबर के बीच 6 सत्र में ई-कॉमर्स व डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, इनोवेशन व स्टार्टअप इकोसिस्टम पर फोकस किया जाएगा।आयोजन में 15 हॉल्स में विभिन्न सरकारी विभागों तथा प्राधिकरणों के भव्य थीमैटिक पवेलियन स्थापित किए गए हैं। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2024 का उद्देश्य एक व्यापार प्रदर्शनी से कहीं ज्यादा सहयोग, नवाचार और ज्ञान के आदान-प्रदान के एक जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना है.

वरिष्ठ नागरिकों को तेजी से उपलब्ध कराएं आयुष्मान कवर: योगी

लखनऊ, एजेंसी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा विभागों के कार्यों की समीक्षा की तथा इस सम्बन्ध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने प्रदेश में चिकित्सा व स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर किया है। चिकित्सा के क्षेत्र के इन्फ्रास्ट्रक्चर में लगातार वृद्धि हो रही है। आज उत्तर प्रदेश के 64 जनपद मेडिकल कॉलेज की सुविधा से आच्छादित हैं। असेवित जनपद शीघ्र ही मेडिकल कॉलेज से आच्छादित होंगे। मुख्यमंत्री जी ने प्रधानमंत्री जी की मंशा के अनुरुप 70 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के प्रदेशवासियों को आयुष्मान कार्ड का लाभ देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

उन्होंने इस सम्बन्ध में विभाग को सभी आवश्यक कार्य व प्रक्रियाओं को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये, ताकि अधिक से अधिक पात्र लोगों को आयुष्मान कार्ड का लाभ मिल सके। प्रदेश सरकार ने वर्ष 2017 में डेंगू मलेरिया, इंसेफेलाइटिस, कालाजार, चिकनगुनिया जैसे संचारी रोगों के नियंत्रण के लिए विशेष अभियान का शुभारम्भ किया था। इसके अच्छे परिणाम हम सबके सामने हैं। इन परिणामों को देख कर ही राज्य सरकार प्रतिवर्ष माह अप्रैल, जुलाई और अक्टूबर में अन्तर्विभागीय समन्वय के माध्यम से संचारी रोग नियंत्रण के लिए विशेष अभियान चलाती है। इसके तहत स्वास्थ्य कार्यकताओं द्वारा लोगों को

जनपदों में ब्लड बैंक व ब्लड सेपरेशन यूनिट क्रियाशील रहें

संचारी रोगों के बारे में जागरुक किया जाता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आगामी 02 माह संचारी रोगों के दृष्टिगत अत्यन्त संवेदनशील हैं। विशेष अभियान के माध्यम से संचारी रोगों की रोकथाम के लिए लोगों को जागरुक करते हुए अन्तर्विभागीय समन्वय से स्वास्थ्य विभाग द्वारा कार्यों को आगे बढ़ाया जाये। जनपदों में ब्लड बैंक व ब्लड सेपरेशन यूनिट क्रियाशील रहें। विगत 17 सितम्बर से आगामी 02 अक्टूबर तक चल रहे स्वच्छता ■ शेष पेज 03 पर

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति की आजादी के लिए जरूरी फैसला

बॉम्बे हाईकोर्ट ने शुक्रवार को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा करते हुए एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अदालत ने केंद्र सरकार की तरफ से पिछले साल लाए गए इंफॉर्मेशन टेक्नालॉजी संशोधित नियम- 2023 में किए गए फैक्ट चेक यूनिट गठन के प्रावधान को निरस्त कर दिया है। इस फैसले को सुनाते हुए जस्टिस अतुल चांदुरकर ने माना कि एफसीयू संविधान के अनुच्छेद-14 (समानता का अधिकार), 19 (बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी), 191-जी (पेशे के अधिकार) और 21 के प्रावधानों का उल्लंघन करता है। आईटी नियमों में फर्जी, भ्रामक और झूठ जैसे शब्दों की व्याख्या पूरी तरह से अस्पष्ट है, जो तार्किकता की कसौटी पर खरी नहीं उतरती है।दरअसल केंद्र सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब आदि पर फर्जी, भ्रामक और झूठी खबरों पर शिकंजा कसने के उद्देश्य से फैक्ट चेक यूनिट की व्यवस्था बनाई थी, ताकि सरकार के कामकाज की सही और सटीक सूचनाएं नागरिकों तक पहुंचे। इस व्यवस्था में यदि सोशल मीडिया में कोई झूठी खबर डाली जाती है, तो एफसीयू उसे चिन्हित करेगा, फिर उसे वहां से हटाया जाएगा। लेकिन चर्चित स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा समेत कुछ और याचिकाकताओं ने इस प्रावधान के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। उनका कहना था कि ये संशोधन अभिव्यक्ति और विचारों की स्वतंत्रता पर अनुचित प्रतिबंध लगा देगा। याचिकाकताओं का कहना है कि इन प्रावधानों से ऑनलाइन कंटेंट पर सरकारी सेंसरशिप लग जाएगी। सरकार को इस बात का 'अभियोजक, जज बनने का मौका मिल जाएगा कि ऑनलाइन क्या 'सत्य पेश किया जाएगा।इस याचिका पर जनवरी, 2024 में हाई कोर्ट की जस्टिस पटेल और जस्टिस नीला गोखले की बेंच ने विभाजित फैसला सुनाया था। जस्टिस पटेल के मुताबिक, एफसीयू ऑनलाइन सूचनाओं पर एक सेंसरशिप का काम करेगा। वहीं जस्टिस गोखले के अनुसार, एफसीयू दुर्भावना से भरी सूचनाओं को फैलने से रोकेगा। केवल एफसीयू के दुरुपयोग की संभावना के आधार पर इसे अमान्य नहीं किया जा सकता है। हाईकोर्ट का फैसला आने के इंतजार में फैक्ट-चेक यूनिट संचालित करने के नोटिफिकेशन पर सुप्रीम कोर्ट ने भी मार्च में स्टे लगा दिया था, सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि केंद्र इस मामले में तब तक आगे नहीं बढ़ सकता, जब तक बॉम्बे हाई कोर्ट इसकी संवैधानिक वैधता पर निर्णय नहीं लेता है। दो जजों की मतभिन्नता को देखते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस डी.के.उपाध्याय ने केस को तीसरे जज चांदूरकर के पास भेजा था। जिन्होंने शुक्रवार को यह माना है कि एफसीयू की व्यवस्था असंवैधानिक है।इस फैसले को इस नजरिए से ऐतिहासिक कहा जा सकता है कि इससे एक तरफ अभिव्यक्ति के अधिकार की रक्षा हुई है, दूसरी तरफ संविधान प्रदत्त अधिकारों पर परोक्ष तरीके से रोक लगाने की कोशिश को रद्द किया गया है। केंद्र सरकार के इरादे भले दुर्भावनापूर्ण सूचनाओं के प्रसार को रोकने के रहे हों, लेकिन जिस तरह से अंकुश लगाने की कोशिश सरकार कर रही थी, उसमें यह आशंका लगातार बनी रहती कि दुर्भावना का पैमाना सरकार की सुविधा के मुताबिक ही तय किया जाता। मोदी सरकार के कार्यकाल की शुरूआत से ही मीडिया के एक बड़े तबके पर किस तरह पूंजीपतियों और सरकारी तंत्र का शिकंजा कसा जा चुका है, यह अब उद्घाटित सत्य है।दूरदर्शन तो पूरी तरह पक्षपाती रवैया प्रदर्शित करता है, इसके साथ-साथ निजी चैनल भी निष्पक्षता का त्याग कर चुके हैं।

ओडिशा की घटना से सेना में रोष

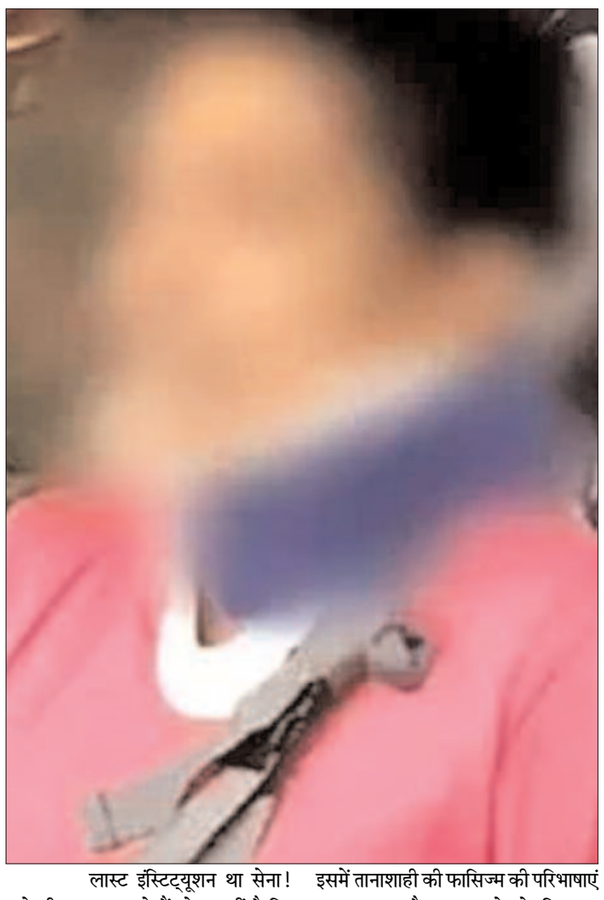

ज्योति बसु भी चले गए, सोमनाथ चटर्जी भी और सीताराम येचुरी भी। मगर जैसा सीपीआईएम ने 1996 में ज्योति बसु को प्रधानमंत्री नहीं बनाने के लिए तर्क दिया था कि हमारे पूर्ण बहुमत होने तक हम अपने सिद्धांत लागू नहीं कर सकेंगे इसलिए उस सरकार में जहां हमारे सदस्य कम हैं हम प्रधानमंत्री नहीं बना सकते। ज्योति बसु नहीं बने और आज 28 साल हो गए लेफ्ट खासतौर से सीपीआईएम और कमजोर हुआ है।

लास्ट इस्टिट्यूशन था सेना! उसे भी खत्म कर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि अभी ओडिशा पुलिस थाने में महिला यौन उत्पीड़न की भयावह घटना के बाद अचानक यह हुआ हो।

हो तो पहले से रहा है मगर किसी दूसरी फोर्स को उसके खिलाफ ऐसा विवाद खड़ा नहीं किया गया था। अब सेना के खिलाफ बाकायदा उड़ीसा पुलिस को उतार दिया गया है।सेना देश के पवित्रतम संस्थानों में मानी जाती है। ज्यूडिशरी और सेना यह वह इन्स्टिट्यूशन हैं जो किसी बड़ी से बड़ी घरेलू विपत्ति में भी डटे रह सकते हैं। बशर्ते कि उनका राजनीतिकरण नहीं किया जाए।2014 में नरेन्द्र मोदी जिस तरह प्रधानमंत्री बने आडवानी और मुरली मनोहर जोशी जैसे अपने सबसे बड़े नेताओं को धकेल कर रास्ते से हटाया उससे यह आभास हो गया था कि मोदी गुजरात की तरह यहां भी तानाशाही करेंगे। मगर हमारे यहां बुद्धिजीवी ऐसे हैं कि वे इसमें तानाशाही की फासिज्म की परिभाषाएं रखकर नापतौल कर रहे थे कि यह फासिज्म है या अर्द्ध फासिज्म? इसके इटली के स्वरूप और जर्मनी के रूप में क्या फर्क था। खैर वह सिद्धांतकारी खुद उनकी पार्टी में फेल हो गए, मगर वे सिद्धांत बड़ा है व्यवहारिक जरूरतों से इस पर अड़े रहे और आज केवल सिद्धांत है, किस पर लागू किया जाए वह कोई बचा ही नहीं है।ज्योति बसु भी चले गए, सोमनाथ चटर्जी भी और सीताराम येचुरी भी। मगर जैसा सीपीआईएम ने 1996 में ज्योति बसु को प्रधानमंत्री नहीं बनाने के लिए तर्क दिया था कि हमारे पूर्ण बहुमत होने तक हम अपने सिद्धांत लागू नहीं कर सकेंगे इसलिए उस सरकार में जहां हमारे सदस्य कम हैं हम प्रधानमंत्री नहीं बना सकते। ज्योति बसु नहीं बने और आज 28 साल हो गए लेफ्ट खासतौर से सीपीआईएम और कमजोर हुआ है। इतना कि लाल किले से लाल सलाम का नारा अब लगाया भी नहीं जाता। विषयातंर हो रहा है लेकिन यह जरूरी है और मूलरूप से तो विषयातंर भी नहीं है एक पुराने विषय की कड़ियां जोड़ना है, ताकि आज की परिस्थितियां सही तरीके से समझ में आ सकें। राजनीतिक घटनाक्रम हमेशा किसी सिद्धांत में फिट नहीं होता है। राजनीति के बदलते रूप नए सिद्धांत बनाते और उन्हें सुधारते हैं।बात हमने फासिज्म से की थी कि उस समय सीपीआईएम के नए नए बने महासचिव प्रकाश करात ने कहा था- यह फासिज्म नहीं अर्द्ध फासिज्म है। अब पूरा हुआ कि नहीं। यह उन्होंने शायद बताया नहीं या बताया भी होगा तो जैसा हमने कहा कि कमजोर हो गई है पार्टी, किसी ने सुना भी नहीं होगा। अखबारों में अब रिपोर्ट भी नहीं होता है।हमने बात शुरू की थी सेना के भी इन्स्टिट्यूशन के रूप में खत्म करने की तो उसी संदर्भ में यह आया है कि शुरूआत 2014 से ही कर दी थी। और वह जिनकी समझ में नहीं आया वह तो अलग बात है मगर जो जानते थे उन्होंने अनावश्यक अकादमिक बहसों में लोगों को उलझाकर बड़ा नुकसान किया। इसी सिलसिले में ज्योति बसु के प्रधानमंत्री न बनाने का जिक्र आया। जो वास्तव में ऐतिहासिक भूल साबित हुई। और यह एक अकेली या आखिरी नहीं थी। ऐसे ही न्यूक डील पर अड़ना। यूपीए सरकार से समर्थन वापस लेना। सोमनाथ चटर्जी जो लोकसभा अध्यक्ष थे उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करना। दस बार के सांसद चटर्जी को पार्टी से ही निकाल दिया गया था। 2008 में यूपीए से समर्थन वापसी के बाद सीपीआईएम ने चटर्जी से लोकसभा अध्यक्ष पद छोड़ने को कहा। उन्होंने नहीं छोड़ा। तो उन्हें पार्टी से ही निकाल दिया गया।

कई बार लगता है कि यह बच्चों के खेल जैसा है। जैसे वे कब कहां कोई नियम बनाकर अड़ जाते हैं वैसे ही यहां सिर्फ नियम बचे रह गए व्यक्ति चले गए।इन दिनों देश भर में सीपीआईएम के महासचिव सीताराम येचुरी की याद में सभाएं हो रही है। आम लोग बड़ी तादाद में उनमें आ रहे हैं। और बहुत दिल से सीताराम को याद कर रहे हैं। हमने उनकी मृत्यु से करीब एक डेढ़ महीने पहले उनके साथ आखिरी मुलाकात में कहा था राज्यसभा में आपकी कमी बहुत खलती है। मुलाकात संसद भवन में ही हुई थी। एनेक्सी के मेडिकल सेंटर में। तबीयत तो खराब चल ही रही थी। बोले भी कि बुढ़ापा! हमने विरोध किया। बात को बदलने के लिए उनके राज्यसभा के उस ऐतिहासिक दिन की याद दिलाई जिस दिन उन्होंने सदन में सभापति को मत विभाजन के लिए मजबूर करके मोदी सरकार को हरा दिया था। फिर ऐसा कोई नहीं कर पाया। खुशी छलकी चेहरे पर। मुस्कराते तो वे हमेशा रहते थे। मगर अंदर की खुशी उस समय बाहर आई। थोड़ी बातें हुई। और हमने कहा कि आपकी पार्टी का और आप खुद महासचिव थे आपका गलत फैसला कि आपकी राज्यसभा कंटीन्यू नहीं की गई। हंसते रहे। हमने कहा इंटरव्यू करेंगे। कहने लगे आ जाइए। मगर वह मौका ही नहीं आया।तो यह एक और बड़ी भूल थी सीपीआईएम की कि राज्यसभा में उसने अपने सारे अच्छे स्पीकरों को हटा लिया। इस नियम के चलते कि दो बार से ज्यादा किसी को राज्यसभा नहीं मिलेगी। लोकसभा का टिकट कितनी बार भी मिल जाए। मुख्यमंत्री कितने साल भी रह ले। राज्यसभा नहीं देंगे! तो राज्यसभा जहां एक अकेले सीताराम ने दस साल केवल लेफ्ट की आवाज ही बुलंद नहीं रखी सदन में चचाओं के स्तर को एक नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

खैर बात कहां से कहां पहुंची। मगर ठीक है। मोदी से जिक्र शुरू हुआ था किस तरह उन्होंने देश के सारे इन्स्टिट्यूशन को खत्म कर दिया। मीडिया का तो जिक्र ही क्या? उसकी तो बात करने लायक भी स्थिति नहीं बची है। बाकी भी सारे संस्थानों की स्वायत्तता खत्म कर दी गई है। न्यापालिका कभी-कभी आभास देती है कि वह कुछ कर रही है। कर सकती है। मगर उस पर दबाव लगातार बढ़ाया जा रहा है कि वह भी पूर्ण समर्पण कर दे। कभी व्यंग्य करके। चुनावी बांड के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद खुद प्रधानमंत्री ने उस पर कृष्ण और सुदामा की कहानी के माध्यम से चोट करने की कोशिश की थी। और अभी तो चीफ जस्टिस चन्द्रचूड़ के घर का वीडियो रिलीज करके। चीफ जस्टिस अभी तक जवाब नहीं दे पाए।सेना के मामले में भी जब बिपिन रावत की सीडीएस बनाया था तो उनके बयानों ने बताया कि कैसे वे सेना के राजनीति से दूर रहने के पवित्र सिद्धांत की अवमानना कर रहे हैं। सीताराम येचुरी की बात हुई है तो याद आता है रावत के बयानों पर उन्होंने चेताया था कि सेना के इस तरह के हस्तक्षेप हमें कहीं पाकिस्तान के रास्ते पर न ले जाएं।रावत ने असम के मामले में एकदम खुलकर राजनीतिक बात की थी। बदरुद्दीन अजमल की पार्टी और जनसंघ की विवादास्पद तुलना की थी। इसी तरह कश्मीर पर, स्टूडेन्ट पर, नागरिकता संशोधन कानून पर उनके कई बयान हैं जो इससे पहले कभी सोचे भी नहीं जा सकते थे कि कोई सेना का अधिकारी कभी ऐसा भी बोल सकता है।इससे सेना का दर्जा गिरा। उसकी जो अपना अलग एक पहचान थी वह कमजोर हुई। सेना को भी दूसरी फोर्सों की तरह लिया जाने लगा। मध्यप्रदेश के महू में जो सैन्य छावनी है। थोड़ा पत्रकारों का भी उससे संबंध है। वहां पत्रकारों को वार करस्पान्डेंट की ट्रेनिंग दी जाती है। वहां दो आर्मी आफिसर और उनकी महिला मित्रों के साथ मारपीट की गई। फिरौती मांगी गई। रेप किया गया।

कभी सुना था ऐसा? आर्मी इलाकों के पास गुंडे बदमाश फटकते नहीं थे। आसपास के बाजारों में महिलाएं देर रात तक अकेली शापिंग करती थीं। और अब महू की घटना के बाद पता है मीडिया ने क्या सवाल उठाए? देर रात महिलाएं घर से बाहर क्यों निकल रही हैं? उनके पुरुष मित्रों के साथ घूमने का औचित्य?महिला और सेना पर ऐसे ही सवाल अब ओडिशा की पुलिस उठा रही है। सेना के युवा अफसरों में बहुत रोष हैं। सेन्ट्रल कमान ने ट्वीट करके कहा है कि हम ओडिसा के मामले को बहुत गंभीरता से ले रहे हैं। पूर्व सेना अधिकारियों ने वहां सड़कों पर प्रदर्शन किया। थाने के अंदर सेना के अधिकारी जो शिकायत लेकर आए हैं उनके साथ मारपीट और मंगेतर के कपड़े उतार कर रेप की धमकी।कभी नहीं सुना था। और सबसे खराब बात की प्रधानमंत्री मोदी चुप हैं। खाली बंगाल पर बोलते हैं। हालांकि बंगाल में कोई आरोपी के साथ नहीं आया। लेकिन जहां भी बीजेपी की सरकार है मणिपुर से लेकर अभी ओडिशा तक वहां सबसे पहले आरोपियों को समर्थन मिलता है। पीड़िता परिवार पर सवाल उठाए जाते हैं। देश को बहुत खतरनाक स्थिति में पहुंचा दिया गया है। पुलिस उल्टे सेना पर आरोप लगा रही है।

पत्रकारिता एवं राष्ट्रवादी सोच के जुझारू-व्यक्तित्व

-प्रो. महेश चौधरी

पत्रकारिता एवं समाजसेवा के एक जुझारू व्यक्तित्व, मजबूत कलम एवं निर्भीक वैचारिक क्रांति के सूत्रधार, उत्कृष्ट राष्ट्रवादी एवं अनेक पत्रिकाओं के सम्पादक ललित गर्ग का जीवन एक संभावनाओं भरी प्रेरक जीवन की दास्तान है। उनका जीवन सफर आदर्शों एवं मूल्यों की पत्रकारिता की ऊंची मीनार हैं। वे पत्रकार, लेखक, स्तंभकार हैं, वही उनका सामाजिक जीवन भी प्रेरक हैं। उन्हें निर्भीक विचारों, स्वतंत्र लेखनी और बेबाक राजनैतिक टिप्पणियों के लिये जाना जाता रहा है। उनको पढ़ने वाले लोगों की संख्या लाखों में है और अपने निर्भीक लेखन से वे काफी लोगों के चहेते हैं। वे न केवल अपने वैचारिक आलेखों के जरिये राष्ट्र की ज्वलंत समस्याओं को सशक्त तरीके से प्रस्तुति देते रहे बल्कि गरीबों, अभावग्रस्तों, पीड़ितों और मजलूमों की आवाज बनते रहे। अपनी कलम के जरिये उन्होंने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी कलम जब भी चली उन्होंने लाखों लोगों की समस्याओं को सरकारों और प्रशासन के सामने रखा और भारतीय लोकतंत्र में लोगों की आस्था को और मजबूत बनाने में योगदान दिया।

ललित गर्ग को हम भारतीयता, पत्रकारिता एवं सामाजिकता का अक्षयकोष कह सकते हैं, वे चित्रता में मित्रता के प्रतीक हैं तो गहन मानवीय चेतना के चितेरे जुझारु, निडर, साहसिक एवं प्रखर व्यक्तित्व हैं। लाखों-लाखों की भीड़ में कोई-कोई ललितजी जैसा विलक्षण एवं प्रतिभाशाली व्यक्ति जीवन-विकास की प्रयोगशाला में विभिन्न प्रशिक्षणों-परीक्षणों से गुजर कर अपनी मौलिक सोच, कर्मठता, कलम, जिजीविषा, पुरुषार्थ एवं राष्ट्र-भावना से समाज एवं राष्ट्र को अभिप्रेरित करता है। उन्होंने आदर्श एवं संतुलित समाज निर्माण के लिये कई नए अभिनव दृष्टिकोण, सामाजिक सोच और कई योजनाओं की शुरूआत की। ललितजी एक ऐसे जीवन की दास्तान है जिन्होंने अपने जीवन को बिन्दु से सिन्धु बनाया है। उनके जीवन की दास्तान को पढ़ते हुए जीवन के बारे में एक नई सोच पैदा होती है। उनके जीवन से कुछ नया करने, कुछ मौलिक सोचने, पत्रकारिता एवं सामाजिक जीवन को मूल्य प्रेरित बनाने, सेवा का संसार रचने, सद्प्रवृत्तियों को जागृत करने की प्रेरणा मिलती रहेगी।

ललित गर्ग एक सरल सा व्यक्तित्व। हर किसी के सुख दुख में साथ खड़े रहने वाले समाजसेवी ललित गर्ग का जन्म 24 सितंबर 1964 को राजस्थान में अजमेर जिले के किशनगढ़ में हुआ। आपको साहित्य और पत्रकारिता के संस्कार अपने पिता श्री रामस्वरूप गर्ग से मिले और समाजसेवा का हुनर अपनी दोनों माताओं स्वर्गीय श्रीमती सत्यभामा गर्ग और श्रीमती चंद्रप्रभा देवी गर्ग से विरासत में पाया। गांधी, विनोबा और जयप्रकाश नारायण के अनन्य सहयोगी आपके पिताश्री स्व. रामस्वरूपजी गर्ग राजस्थान के यशस्वी पत्रकार, समाजसेवी एवं विचारक रहे हैं, उन्होंने करीब तीस वर्षों तक जैन विश्वभारती के प्रारंभ से अपने जीवन के अंतिम समय तक प्रथम कार्यकर्ता के रूप में उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान की। यही वजह है कि श्री ललित गर्ग का झुकाव तेरापंथ धर्मसंघ एवं अणुव्रत की प्रवृत्तियों में बचपन से ही शुरू हो गया था।

बचपन से कलम और स्याही के प्रति आकर्षण के चलते आपने छोटी-सी अवस्था में ही लेखन प्रारंभ कर दिया। आपकी प्रारंभिक शिक्षा राजस्थान के लाडनूं से और हायर एजूकेशन चूरू जिले के सुजानगढ़ के सुजला कॉलेज से हुई, जहां से आपने बीकॉम की डिग्री प्राप्त की ।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की भारी कटौती का वैश्विक स्तर पर शेयर बाजारों पर असर

19 सितंबर दुनिया भर के वित्तीय बाजारों के लिए एक बड़ा दिन था। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने आखिरकार वैसा ही किया जैसा बाजारों को उम्मीद थी। इसने ब्याज दरों में भारी कटौती की। इसका वैश्विक स्तर पर व्यापक असर हो रहा है और शेयर बाजारों, जो पहले से ही समायोजन कर रहे हैं, को अधिक समायोजन करना पड़ रहा है, जैसा कि हमने भारतीय बाजार में तेज उछाल के दौरान देखा है। मार्च 2020 के बाद से अमेरिकी केंद्रीय बैंक की ओर से यह पहली ब्याज दर कटौती है।सबसे अधिक ध्यान देने वाली बात यह है कि अमेरिकी फेड ने सभी उम्मीदों को पार कर लिया है और पहले से कहीं अधिक कटौती की है - जैसा कि कुछ टिप्पणीकारों ने इसे 'आधा प्रतिशत की भारी कटौती' कहा है। इसके परिणाम स्वरूप शेयर बाजार आश्चर्यचकित ढंग से ऊपर की ओर जा रहे हैं। कुछ टिप्पणीकार मौद्रिक नीति निर्माण के इस बड़े कदम को 'फ्रंट लोडिंग' के रूप में वर्णित कर रहे हैं ऐसा करते हुए, फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोमपॉवेल ने कहा कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था मजबूत और स्वस्थ है और लगातार बढ़ रही है।

साथ ही, ब्याज दरों को ऐतिहासिक उच्च स्तर पर रखने के बावजूद, अर्थव्यवस्था लगातार बढ़ रही है और मंदी में नहीं फंसी है।साथ ही, कीमतों में तेजी से गिरावट आई है और मूल्य मुद्रास्फीति लगभग लक्ष्य स्तर के भीतर है। उन्हें लगा कि मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने की लड़ाई जीत ली गई है और इसलिए उन्होंने अपनी नीति ब्याज दर में आधे प्रतिशत की कटौती की, भले ही इसके बारह गवर्नरों में से एक इस धारणा से अलग थे और एक चौथाई प्रतिशत की कम कटौती की वकालत की।इसका निश्चित रूप से वैश्विक स्तर पर प्रभाव पड़ेगा। प्रमुख देशों के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के कदम के जवाब में अपनी ब्याज दरों को फिर से निर्धारित कर सकते हैं। हर तरफ दरों में कटौती की उम्मीद की जा सकती है।अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसले से वैश्विक स्तर पर धन के प्रवाह पर असर पड़ेगा। यह उम्मीद करना उचित है कि उभरते बाजारों की अर्थव्यवस्थाओं का लाभ उठाने के लिए फंड मैनेजर इन बाजारों में कुछ अतिरिक्त निवेश करेंगे। भारतीय शेयर बाजार प्रमुख संस्थागत निवेशकों के लिए एक लक्ष्य है और सबसे प्रमुख वैश्विक शेयर सूचकांकों में से एक में भारत का महत्व चीन के मुकाबले मामूली रूप से बढ़ा है।भारतीय शेयर बाजार में पहले से ही तेजी देखी जा रही है। आज के कारोबार में शेयरों में तेजी आई है, जबकि ये पहले से ही उच्च स्तर पर हैं। दर समायोजन की स्थिति में शेयरों और बांडों के तुलनीय मूल्य फिर से संरेखित होते हैं। कोई सुरक्षित रूप से उम्मीद कर सकता है कि ब्याज दर घटेगी तथा शेयरों की कीमतें बढ़ेंगी। पोर्टफोलियो को फिर से निर्धारित किया जायेगा।अतिरिक्त फंडों में होने वाले उतार-चढ़ाव अगले चरण में विदेशी मुद्रा बाजार को भी हिला सकते हैं। कोई उम्मीद कर सकता है कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये के लिए आसान दरें उलट सकती हैं और विदेशी संस्थागत निवेशकों से प्रवाह के अनुसार समायोजन दिखा सकती हैं। फिर, संयुक्त राज्य अमेरिका के केंद्रीय बैंक ने इस समय इतना बड़ा कदम क्यों उठाया है। राय अलग-अलग हैं।

आंकड़ों की व्याख्याएं अलग-अलग हैं।फेडरल बैंक के चेयरमैन पॉवेल ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था में विपरीत स्थिति की ओर इशारा किया है। जबकि साल की शुरूआत में, कीमतें 4.2 प्रतिशत बढ़ रही थीं और बेरोजगारी दर 2 प्रतिशत पर थी। वर्तमान में स्थिति बिल्कुल उलट है। कीमतें 2प्रतिशत बढ़ रही हैं और बेरोजगारी 4.2प्रतिशत पर है।पॉवेल ने बताया कि बेरोजगारी और बढ़ने से पहले, केंद्रीय बैंक को बेरोजगारी को और बढ़ने से रोकने के लिए समग्र आर्थिक गतिविधि को समर्थन देने की दिशा में कदम उठाना होगा। वास्तव में, अर्थशास्त्रियों और बाजार संचालकों में से कुछ लोगों का मानना है कि फेड पहले से ही पीछे रह गया है, यानी उसने दरों में कटौती को बहुत लंबे समय तक टाल दिया है।केंद्रीय बैंक ने अपनी नीतिगत दरों को ऐतिहासिक रूप से उच्च स्तर पर बनाये रखा था - सटीक रूप से 23 साल के उच्चतम स्तर पर। परिणामस्वरूप, बाजारों के साथ-साथ अर्थशास्त्रियों को भी उम्मीद थी कि फेड इस साल जनवरी में अपनी बैठक में नीतिगत दरों में कटौती करेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। फिर मौद्रिक नीति समिति की मार्च की बैठक में कटौती की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा भी नहीं हुआ। फिर, जून में भी ऐसी ही उम्मीद थी। अब, सितंबर में ही कटौती हुई है।पूरे समय, अर्थशास्त्रियों को डर था कि लगातार उच्च ब्याज दरें अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मंदी में डाल देंगी। यह डर लंबे समय से था। इकानॉमिस्ट पत्रिका ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया था कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था अभी भी बढ़ रही है, हालांकि 2020 की पहली तिमाही से ब्याज दर में लगातार बढ़ोतरी की जा रही थी।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था का व्यवहार हैरान करने वाला रहा है। पारंपरिक आर्थिक तर्क के अनुसार, केंद्रीय बैंक ब्याज दरें तब बढ़ाते हैं जब कीमतें बढ़ रही होती हैं। उच्च ब्याज दर मांग को दबा देती है, निवेश को कम करती है, जिससे रोजगार में कमी आती है। इस प्रकार, रोजगार और मूल्य वृद्धि के बीच एक विशेष संबंध है।

वास्तव में, अमेरिकी अर्थव्यवस्था का व्यवहार हैरान करने वाला रहा है। पारंपरिक आर्थिक तर्क के अनुसार, केंद्रीय बैंक ब्याज दरें तब बढ़ाते हैं जब कीमतें बढ़ रही होती हैं। उच्च ब्याज दर मांग को दबा देती है, निवेश को कम करती है, जिससे रोजगार में कमी आती है। इस प्रकार, रोजगार और मूल्य वृद्धि के बीच एक विशेष संबंध है।लेकिन इस बार, फेड ने अपनी ब्याज दरें तब बढ़ाईं जब अमेरिकी कीमतें ऐतिहासिक उच्च गति पर थीं। सभी को बेरोजगारी में वृद्धि और वास्तव में मंदी की उम्मीद थी।परन्तु ऐसा कुछ भी नहीं हुआ और अमेरिका खुशी-खुशी बढ़ता रहा। साथ ही, हाल ही में कीमतों में तेज वृद्धि धीमी हो गई और केंद्रीय बैंक के स्वीकार्य स्तर पर आ गई।संभवतः, यह नयी अर्थव्यवस्था की शुरूआत है। अर्थशास्त्री सुराग खोजने के लिए डेटा और अमेरिकी उपभोक्ताओं के व्यवहार से जूझ रहे हैं। यह महामारी और उसके बाद के दौर में हो सकता है। उपभोक्ताओं के हाथों में अप्रयुक्त धन के बड़े पूल ने अर्थव्यवस्था को चालू रखने में भूमिका निभायी। इस घटना को नियमित रूप से स्वीकार करना बहुत जोखिम भरा हो सकता है।

नाली व सड़क न बनने से घर के बाहर भरा गंदा पानी निकलना हुआ दूभर

उमेश द्विवेदी संवाददाता।

उन्नाव। गंगाघाट नगरपालिका के वार्ड नं0 25 भातु फार्म गायत्री नगर में कई गलियां है जहा मुख्य गलियों की स्थिति गांव की गलियों से भी बत्तर है। न पक्की सड़कें और न ही गलियों में नालिया है। जिसके चलते घरों का निकलने वाला पानी गलियों में ही भरा रहता हैं जिस कारण घरों से निकलना मुश्किल होगया हैं। वही गंदे पानी से अनेकों कीड़े मकोड़े पनप रहे है ।जिससे इलाके में बीमारी फैलने का खतरा बना रहता है।

इस समस्याओं के संबंध में क्षेत्रीय लोगो ने नगरपालिका अध्यक्षा महोदया कौमुदी पाण्डेय अध्यक्ष प्रतिनिधि संदीप पाण्डेय व अधिषासी अधिकारी को कई बार मौखिक व लिखित ने जानकारी दी जा चुकी हैं। निवासी अमर श्रीवास्तव ने बताया कि वार्ड न025 देवकी नन्दन से नन्द किशोर पटेल तक (लगभग 150 मीटर) एवं सरोज मिश्रा से अमरनाथ श्रीवास्तव तक (लगभग 30 मीटर) व देवेन्द्र पटेल से पंकज श्रीवास्तव ,राकेश शर्मा के घर तक (लगभग 150 मी.) सड़क व नाली न होने के कारण घरों का पानी जमा रहता है जिससे कीचड़ होजाती है और आने जाने वाले नागरिक, वृद्ध, बच्चे आये दिन फिसल कर गिर जाते है, यहाँ रहने वाले लोगो में गन्दे पानी को लेकर आपस में हमेशा विवाद होता रहता है। इस समस्या को लेकर कई वार नगरपालिका में ज्ञापन दे चुके है।

विधायक जी को भी इस समस्या से अवगत कराया जा चुका है। जब भी पूछो बताते हैं बजट नही है। या इस बार बोर्ड बैठक में देखते हैं। कई वर्ष बीत जाने के बाद भी समस्या जस की तस बनी हुई हैं। दिनाक 23 सितंबर 24 को अमर श्रीवास्तव,अमित पटेल, पंकज श्रीवास्तव, राहुल,अनुज मिश्रा, प्रीती,राकेश शर्मा, व अन्य क्षेत्रीय निवासियों ने तीसरा ज्ञापन दिया है।

राहुल गांधी के खिलाफ भड़काऊ बयान देने वालों नेताओं पर की गई कार्यवाही की मांग

फतेहपुर।

भाजपा व उसके सहयोगी दलों के नेताओं द्वारा राहुल गाँधी के खिलाफ भड़काऊ और उकसाने वाले बयान देने के विरोध में 23 सितंबर दिन सोमवार को महामहिम राष्ट्रपति को ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से प्रेषित किया गया। जिसमें बीजेपी और उसके सहयोगी दल के नेताओं द्वारा लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गाँधी के खिलाफ भडकाऊ और उकसाने वाले बयान देना और बीजेपी की केंद्र सरकार द्वारा तरविन्दर सिंह मारवाह, केंद्रीय मंत्री नवनीत सिंह बिट्टू, यूपी के मंत्री रघुराज सिंह के साथ साथ शिवसेना (सिंदे गुट) विधायक संजय गायकवाड के खिलाफ उचित कानूनी कार्यवाही ना करना, दोनों एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है। राहुल गाँधी जबसे सविधान, सवैधानिक मूल्य बचाने, पिछडे दलित आदिवासी और अल्पसख्यक समाज को उनकी आबादी के हिसाब से भागीदारी दिलाने के जातिगत जनगणना, आर्थिक सर्वे और संस्थागत सर्वे मुद्दे द्वारा देशव्यापी मुहिम पर है तब से निराश हताश मुद्दा विहीन आरएसएस, बीजेपी और उनके सहयोगी दल इस भागीदारी मुहिम, काग्रेस पार्टी और राहुल गाँधी पर लगातार हमलावर है।

खरीफ फसलों की कटाई के बाद पराली जलाई तो होगी कड़ी कार्यवाहीः डीएम

फतेहपुर।

जिलाधिकारी रविंद्र सिंह ने जनपद के समस्त उप जिलाधिकारियो को वर्तमान खरीफ फसलों की कटाई मडाई के बाद प्रत्येक दशा में पराली जलाने से रोकने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने समस्त उप जिलाधिकारियों/ तहसीलदारों, राजस्व लेखपालों तथा कृषि विभाग के क्षेत्रीय कर्मचारियों अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि धान की फसल तैयार होने वाली है, ऐसी दशा में अभी से अपने-अपने क्षेत्रों में किसानों को पराली जलाने से होने वाले नुकसान के सम्बन्ध में व्यापक प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिये है, जिससे धान की कटाई एवं मडाई के बाद कोई भी किसान पराली न जलाने पाये।

जिन किसानों द्वारा पराली जलाने का कार्य किया जाएगा उन व्यक्तियों से पर्यावरण की क्षति की प्रतिपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु नियमानुसार अर्थ दंड लगाया जाए तथा उसकी वसूली की जाए। उन्होंने बताया है कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) तथा सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्देश दिये गए है कि प्रत्येक दशा में पराली जलाये जाने की घटना पर अंकुश लाया जाय। जनपद स्तर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व की अध्यक्षता में सेल का गठन किया गया है। जो खरीफ फसलों की कटाई मडाई के बाद फसल अवशेष (पराली) जलाने की घटनाओं पर विशेष नजर रखेंगे तथा समय-समय पर कृषि विभाग एवं राजस्व विभाग के तहसील स्तरीय अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर जनपद में पराली जलाने की घटनाओं पर विराम लगाएंगे।

जिलाधिकारी ने जनपद के समस्त राजस्व लेखपालों उप जिलाधिकारियो/ तहसीलदारों को निर्देश दिया है कि पराली जलाने की घटनाएं रोकने के लिऐ तहसील स्तर पर गठित तहसील स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की जाए। राजस्व लेखपालों कृषि विभाग के सहायक विकास अधिकारी को सजग कर दिया जाये, जिससे आने वाले समय में पराली जलाने की घटनाएं न होने पाये। इसके लिए सम्बन्धित अधिकारी गांव में भ्रमण कर किसानों को समझाएं की पराली जलाना दंडनीय अपराध है। पराली को वेस्ट डिकम्पोजर का प्रयोग कर पराली से खाद बनाये। उन्होनें यह भी सुझाव दिया कि ग्राम प्रधानो के सहयोग से अधिक से अधिक पराली को पशुपालन एवं मनरेगा से समन्वय करते हुए गौशाला में भेजवाये । उन्होंने सभी उप जिला अधिकारियों को निर्देश दिये है कि तहसील स्तरीय समिति में तहसीलों के ग्राम प्रधान को भी आर्मंत्रित कर पराली ना जलाने के लिए ग्राम पंचायत के किसानों को आगाह कर दे। यदि किसी किसान / व्यक्तियों द्वारा पराली जलाई जाती है तो ऐसे किसानों के विरुद्ध दंड लगाकर वसूली की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही पुनरावृत्त करने पर एफआईआर दर्ज कराया जायेगा।

जिलाधिकारी ने उप निदेशक कृषि को निर्देश दिया है कि कृषि विभाग के समस्त अधिकारियों कर्मचारियों को इस आशय के निर्देश दे कि वे अपने-अपने न्याय पंचायत में भ्रमण रहकर किसानों को जागरूक करें। जनपद की प्रत्येक न्याय पंचायत स्तर पर किसानों की गोष्ठियां आयोजित कराकर किसानों को जागरूक किया जा रहा है। वॉल पेंटिंग वॉल राइटिंग तथा होर्डिंग लगाकर अधिक से अधिक किसानों को जागृत किया जाए कि पराली जलाना दंडनीय अपराध है। जिससे फसल अवशेष जलाने की घटनाएं न होने पाए। साथ ही गांव में वेस्ट डिकम्पोजर का वितरण भी करे।

उपयुक्त मनरेगा, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी तथा जिला में पंचायत राज्अधिकारी गौशालाओ को किसानो तथा ग्राम प्रधानों के माध्यम से अधिक से अधिक पराली भेजवाए, प्रत्येक दशा में पराली जलाने की घटनाओं को रोकना सुनिश्चित करें। जिन ग्राम पंचायत में पराली जलाने की घटना होती है तो उन राजस्व लेखपाल तथा प्राविधिक सहायकों को नोटिस जारी कर दंडात्मक कार्रवाई करेंगें। उन्होंने जनपद के समस्त उप जिलाधिकारी/ तहसीलदार को निर्देश दिया है कि जिन राजस्व लेखपालों के क्षेत्र में पराली जलाने घटनाएं होंगी उनके विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, जिला पंचायतराज अधिकारी फतेहपुर को निर्देश दिया है कि जनपद के ग्राम प्रधानो के माध्यम से अधिक से अधिक पराली जनपद की समस्त गौशालाओ में संरक्षित कराने के निर्देश दिए है, जिलाधिकारी ने जनपद के समस्त ग्राम प्रधानो, किसानो तथा अधिकारियों/ कर्मचारियों को पराली जलाने की घटनाओ को रोकने के निर्देश दिए है।

आलू बीज उत्पादन पर प्रति हेक्टेयर 25 हजार देगी सरकार : शाही

कुमारगंज।

कृषि विश्वविद्यालय के एग्री बिजनेस मैनेजमेंट के प्रेक्षागृह में अखिल भारतीय समन्वित आलू अनुसंधान परियोजना की 42वीं वार्षिक समूह की तीन दिवसीय बैठक रविवार को शुरू हुई। बैठक में विभिन्न राज्यों से लगभग 150 सब्जी वैज्ञानिकों ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि उत्तर प्रदेश के जो भी किसान आलू बीज का उत्पादन करेंगे उन्हें सरकार 25 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर प्रोत्साहन राशि देगी। कृषि मंत्री ने कहा कि सरकार किसानों की मदद के लिए हर कदम पर तैयार खड़ी है। कहा कि किसानों को केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ भरपूर लाभ उठाना चाहिए। सरकार की ओर से जगह-जगह आलू प्रोसेसिंग इंडस्ट्री और नए कोल्ड स्टोरेज की स्थापना की गई है, जिससे कि किसी प्रकार की परेशानी की सामना न करना पड़े।विशिष्ट अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के उप महानिदेशक डॉ. एसके सिंह ने कहा कि किसानों को जैविक विधि से आलू की खेती करने की जरूरत है। अगर किसान जैविक विधि से खेती करते हैं तो आलू का उत्पादन बढ़ने के साथ-साथ स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक साबित होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने उत्तर प्रदेश में आलू की खेती में दूसरे फसलों के अंतर कृषि की तकनीक को अपनाने की सलाह दी।

खास खबर

स्वास्थ्य विभाग में घोटाले पर सीएम सख्त, डीएम से मांगी रिपोर्ट

अयोध्या। स्वास्थ्य विभाग में विभिन्न मामलों में लगे घोटाले के आरोपों का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है। मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव ने अमर उजाला में छपी खबरों का हवाला देते हुए जिलाधिकारी को पत्र भेजा है। मामले की जांच कर रिपोर्ट मांगी है। प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के दौरान श्रद्धालुओं की सेवा के लिए 40 एंबुलेंस की आपूर्ति के लिए स्वास्थ्य विभाग ने जेम पोर्टल पर निविदा निकाली थी। इसके लिए पांच फर्मों ने अलग-अलग दरों पर कार्य करने की सहमति जताई थी।

लड़की ने युवक पर लगाया आरोप शादी का झांसा देकर किया दुष्कर्म

पुरवा उन्नाव। नगर के एक मोहल्ला निवासिनी युवती ने कोतवाली मे तहरीर देकर बताया कि बीते शनिवार की रात मोहल्ले का युवक बहलाफुसला कर कस्बे से दूर जंगल मे ले गया। जहाँ शादी का झांसा देकर पूरी रात दुराचार किया और अगले दिन आरोपी ने शादी से इंकार करते हुए भाग गया। पीड़िता घर पहुँच घटना की जानकारी परिजनो को दी । जिसपर पीड़िता के माता पिता पीडिता को लेकर आरोपी के परिजनो से शिकायत करने घर गए।आरोप हैं कि घटना की शिकायत करने पर वहां मौजूद आरोपी के परिजनो ने पीडिता की पिटाई भी की . कोतवाली प्रभारी राकेश गुप्ता ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया है।

दुकानदारों के साथ जल्द बैठक करेगा हनुमानगढ़ी अखाड़ा

अयोध्या। तिरुपति के लड्डू प्रसाद में गाय की चर्बी और मछली का तेल मिलने के बाद हनुमानगढ़ी अखाड़ा भी सजग हो गया है। हनुमानगढ़ी अखाड़ा एक दो दिन के भीतर प्रसाद के दुकानदारों के साथ बैठक करने की तैयारी में है। इस बैठक का मकसद दुकानदारों को प्रसाद की गुणवत्ता व शुद्धता को लेकर नसीहत देना है। हनुमानगढ़ी अखाड़ा के शीर्ष महंत ज्ञानदास के उत्तराधिकारी महंत संजय दास ने बताया कि हनुमानगढ़ी में विराजमान हनुमंतलला को शुद्ध देशी घी के लड्डू अर्पित किए जाते हैं। यहां पहले से ही शुद्धता व गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाता है।

जिला जज, डीएम व एसपी ने संयुक्त रूप से किया जिला कारागार का निरीक्षण

जिला कारागार में आँवला प्रसंस्करण केन्द्र का जिला जज ने किया शुभारम्भ

प्रतापगढ़।

जनपद न्यायाधीश अब्दुल शाहिद, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अर्चना तिवारी, जिलाधिकारी संजीव रंजन, पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार एवं अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुमित पंवार ने संयुक्त रूप से जिला कारागार का स्थलीय निरीक्षण कर बंदियों की समस्याओं को सुना एवं जेल प्रशासन को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। जनपद न्यायाधीश व जिलाधिकारी ने बैरकों का निरीक्षण कर बन्दियों से जानकारी ली कि सभी व्यवस्थायें जिला कारागार में मिल रही है कि नही तो बन्दियों द्वारा बताया गया कि सभी व्यवस्थायें बराबर मिल रही है। जिला कारागार में बने अस्पताल के निरीक्षण में 12 मरीज भर्ती थे जिनके स्वास्थ्य, दवाओं व भोजन की उपलब्धता के सम्बन्ध में जानकारी ली गयी तो भर्ती मरीजों द्वारा बताया गया कि दवा, भोजन आदि की सुविधायें समय से मिल रही है। इस दौरान जिला कारागार में लाइब्रेरी का भी निरीक्षण किया गया। जिला कारागार के निरीक्षण के दौरान जनपद न्यायाधीश द्वारा कारागार में स्थापित जिला कारागार प्रतापगढ़ आंवला प्रसंस्करण केंद्र आंवलाकृति का फीता काटकर उद्घाटन किया गया तथा बंदियों द्वारा निर्मित आंवला उत्पाद, आंवला जूस, आंवला अचार, आंवला मुरब्बा, आंवला बर्फी इत्यादि का अवलोकन किया गया।

उक्त आंवला प्रसंस्करण केंद्र उत्तर प्रदेश शासन की ओ डी ओ पी योजना की तर्ज पर कारागार विभाग की वन जेल वन प्रोडक्ट योजना के अंतर्गत स्थापित किया गया है, जिसमे कौशल विकास मिशन के तहत प्रशिक्षण प्राप्त बंदियों को नियोजित किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य कारागार में निरुद्ध बंदियों को स्वावलंबी बनाना तथा उनमें उद्यमिता का विकास करना ताकि कारागार से छूटने के बाद भी वे जीवकोपार्जन करते हुए समाज की मुख्यधारा से जुड़कर अपराध की दुनिया से विमुख हो सकें।

जिलाधिकारी को जिला अस्पताल में टूटी मिलीं खिड़कियां, जताई नाराजगी, बोले

आगे भी करेंगे औचक निरीक्षण

सत्ता सकेंत।

उन्नाव। डीएम गौरांग राठी रविवार शाम तीन बजे अचानक जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने अस्पताल के वार्ड दो में भर्ती अपने फॉलोअर का हाल जाना। इस दौरान उनकी नजर वार्ड की खिड़कियों पर पड़ी तो सभी खिडकियां टूटी दिखीं।

इस पर उन्होंने नाराजगी जाहिर की और सीएमएस डॉ. आरए मिर्जा से रोगी कल्याण समिति से व्यवस्था दुरुस्त कराने के निर्देश दिए इसके बाद डीएम ने इसी वार्ड में भर्ती बारासगवर के बुद्धिनाथ का हाल पूछा। उसने बताया कि वह अकेला घर में कमाने वाला है। सात दिन से भर्ती है और अभी आगे भी इलाज चलेगा।

इस पर डीएम ने मरीज का श्रम विभाग में पंजीकरण करवाने के लिए सहायक श्रमायुक्त को निर्देश दिए। इसके बाद डीएम एसएनसीयू वार्ड पहुंचे। यहां भर्ती बच्चों के बारे में पूछा और रजिस्टर भी जांचा। इसमें उन्हें कई बच्चे रेफर मिले। उन्होंने डॉक्टरों से रेफर किये जाने का कारण पूछा तो डॉक्टरों ने वेंटिलेटर न होने से गंभीर बच्चों को रेफर करने की बात बताई।

इस पर डीएम ने वेंटिलेटर की व्यवस्था के लिए शासन स्तर से पत्राचार करने की बात कही वहीं डीएम ने पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती बच्चों व उनके परिजनों से भी बात कर हाल जाना। डीएम ने बताया कि आगे भी इसी प्रकार औचक निरीक्षण किया जाएगा।

जो भी कमियां मिलेंगी उन्हें दुरुस्त कराया जाएगा। इस दौरान सीएमओ डॉ. सत्य प्रकाश, सीएमएस डॉ. आरए मिर्जा, डॉ. शोभित अग्निहोत्री आदि रहे।

रेशम विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का मंत्री ने किया अनुश्रवण

फतेहपुर।

मंत्री, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा तथा वस्त्रोद्योग, उ०प्र० सरकार राकेश सचान द्वारा विभागीय अधिकारियों के साथ लोक निर्माण विभाग के सर्किट हाउस में बैठक की गयी। बैठक में मंत्री के द्वारा उद्योग विभाग की योजनाओं का अनुश्रवण किया गया। उन्होंने सी०एम० डैश बोर्ड के अन्तर्गत लक्ष्य के अनुरूप शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देशे सम्बंधितो को दिये। मंत्री के द्वारा प्लेज पार्क हेतु प्राप्त आवेदन पत्रों पर यथोचित कार्यवाही करते हुये कम से कम एक प्लेज पार्क स्थापित कराने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। इसके अतिरिक्त उप जिलाधिकारियों के माध्यम से ग्राम समाज की भूमि का चिन्हांकन करते हुये नये औद्योगिक आस्थानों के विकास के लिये प्रस्ताव शीघ्र तैयार किये जाये जिससे उनमें आधारभूत संरचनाओं का विकास करते हुये उद्यमियों के लिये स्थान उपलब्ध कराये जा सके।

मंत्री के द्वारा उ०प्र० खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं के प्रचार-प्रसार एवं खादी उत्पादों की बिक्री को बढ़ाने के भी निर्देश दिये गये, साथ ही खादी विपणन सहायता योजना (एम०डी०ए०) की समीक्षा की गयी एवं लम्बित क्लेमों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिये गये। मुख्यमत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना एवं माटीकला रोजगार योजना की समीक्षा की गयी एवं लक्ष्यों के अनुरूप शतप्रतिशत पूर्ति के निर्देश भी दिये गये।

मंत्री के द्वारा रेशम विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का अनुश्रवण किया गया। अनुश्रवण में जनपद के सभी रेशम फार्मों में तार फेन्सिंग के प्रस्ताव बनाकर मुख्यालय प्रेषित कराने के निर्देश दिये गये। मंत्री जी द्वारा विगत अनुश्रवण में दिये गये निर्देश के क्रम में रेशम को बढ़ावा देने के लिये एन०आ०एल०एम० विभाग के महिला समूहों को डी०सी०, एन०आर०एल०एम० एवं मुख्य विकास अधिकारी की उपस्थिति में एरी रेशम कीट पालन हेतु अरन्डी बीज वितरण का कार्यक्रम 13 सितम्बर 2024 को आयोजित किया गया था।

पेज 1 का शेष

हम बंटे थे तो कटे....

ही मत्स्य आहार प्लांट की स्थापना के लिए पहली किस्त के रूप में लगभग चार करोड़ का चेक भी प्रदान किया। उन्होने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को भी सम्मानित करते हुए विद्या शक्ति पोर्टल का भी बटन दबाकर शुभारंभ किया।योगी ने कहा कि 2017 के पहले माफिया समानांतर सरकार चलाते थे। खनन, पशु, संगठित अपराध, भूमाफिया हावी थे। जब उनका काफिला निकलता था तो सामान्य जनप्रतिनिधि सहम जाते थे, प्रशासन सैल्यूट करता था। कोई माफिया पर हाथ डालने की हिम्मत कोई नहीं करता था, लेकिन आज माफिया गिड़गिड़ा रहे हैं कि जान बख्श दो, ठेली लगाकर पेट भर लेंगे, लेकिन किसी को छेड़ेंगे नहीं। अब बेटी-व्यापारी की सुरक्षा से खिलवाड़, किसान की जमीन पर कब्जा, गरीब की झोपड़ी को उजाड़ने का दुस्साहस कोई नहीं कर सकता।उन्होने कहा कि जाति का नंगा खेल खेलने वाले लोग माफिया व दुर्दांत अपराधियों, दंगाइयों के सामने नाक रगड़ते थे। आज जब प्रदेश की विकास की नई धारा के साथ बढ़ रहा है तो यह फिर से बैरियर बनकर खड़ा होना चाहते हैं। ऐसे लोग वर्तमान के साथ भावी पीढ़ी के भविष्य के साथ भी खिलवाड़ कर रहे हैं। ऐसे माफिया को फिर से सिर उठाने का अवसर न मिल पाए। योगी ने कहा कि दस वर्ष पहले मीरजापुर जनपद में कनेक्टिविटी का अभाव था, गरीबों को योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता था। मां विंध्यवासिनी धाम के पवित्र मंदिर व त्रिकोण के रूप में विख्यात शक्तिपीठों की क्या स्थिति थी। सड़कों के क्या हालात थे। गुंडाराज व माफियाराज किसी से छिपा नहीं है। दस वर्ष में बदलते भारत, साढ़े सात वर्ष में उत्तर प्रदेश व मीरजापुर को सभी ने देखा होगा। अब मीरजापुर जनपद भी किसी के सामने हाथ नहीं फैलाएगा, क्योंकि मां विंध्यवासिनी का पावन धाम दिव्य-भव्य रूप ले चुका है। इससे पहले योजनाओं को देने में भेदभाव होता था, लेकिन हमने जाति-खेमे के आधार पर बांटने का प्रयास नहीं किया।उन्होने कहा कि पांच वर्ष पहले मां विंध्यवासिनी धाम की गलियां संकरी थीं। नवरात्रि के दौरान भय लगता था, लेकिन तीन अक्टूबर से प्रारंभ होने वाले नवरात्रि में दिव्य-भव्य धाम के दर्शन होंगे। पिछली सरकारों ने यही काम किया होता तो जनआस्था को सम्मान मिलता। अब मीरजापुर के पास भी मेडिकल कॉलेज है, वरना बीएचयू व प्रयागराज के बीच में कुछ भी नहीं था। यहां मां विंध्यवासिनी के नाम पर विश्वविद्यालय भी बनने जा रहा है। अगले सत्र में पाठ्यक्रम भी प्रारंभ होगा। जनपद फोरलेन की कनेक्टिविटी से जुड़ गया है।

सीएम योगी ने नवरात्रि को मिशन....

आयोजन होंगे। बता दें कि प्रदेश में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए विशेष अभियान मिशन शक्ति चलाया जा रहा है। इसी क्रम में संस्कृति विभाग द्वारा महिलाओं व बालिकाओं की सहभागिता के साथ प्रदेश में अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तावित किये गये हैं। संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम के अनुसार आगामी शारदीय नवरात्रि में 3 अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक प्रदेश के देवी मन्दिरों एवं शक्तिपीठों में महिलाओं एवं बालिकाओं की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए महिला सुरक्षा के लिए सरकार द्वारा लागू किये गये कानूनों का वृहद प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इसके अलावा अष्टमी एवं नवमी के अवसर पर प्रमुख शक्तिपीठ मन्दिरों में सामाजिक मूल्यों व राष्ट्रीय मूल्यों के व्यापक प्रचार-प्रसार व जनसामान्य को इससे जोड़ते हुए रामायण पाठ का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन के लिए गतवर्ष की भांति प्रत्येक जनपद में जनपद स्तरीय, तहसील स्तरीय एवं विकास खण्ड स्तरीय समिति का गठन करते हुए कार्यक्रम सम्पन्न कराया जाएगा।

चाइल्ड पोर्न देखना....

साथ ही देश में यौन शिक्षा कार्यक्रमों को व्यापक रूप लागू करने का भी सुझाव दिया, जिसमें नाबालिगों के साथ रतिक्रिया के चित्रण के कानूनी और नैतिक नतीजों की भी जानकारी शामिल की जाए।पीठ को उम्मीद है कि इससे संभावित अपराधों को रोकने में मदद मिल सकती है। यौन शिक्षा जैसे कार्यक्रमों के संबंध में जनसामान्य के बीच भ्रामक सोच को दूर किया जाना चाहिए और युवाओं को यौन सहमति और यौन शोषण के प्रभाव की स्पष्ट समझ करायी जानी चाहिए।पीठ ने केंद्र सरकार को एक विशेषज्ञ समिति के गठन पर विचार करने के सुझाव का भी समर्थन किया है, जो स्वास्थ्य और यौन शिक्षा के लिए एक व्यापक कार्यक्रम या तंत्र तैयार करने की सिफारिश कर सकती है।अदालत ने पूरे देश में बच्चों को कम उम्र से ही पोक्सो के बारे में जागरूक बनाने पर जोर दिया है ताकि बाल संरक्षण, शिक्षा और यौन कल्याण के लिए एक मजबूत और सुविचारित दृष्टिकोण सुनिश्चित किया जा सके।

वरिष्ठ नागरिकों को तेजी से उपलब्ध.....

पखवाड़े के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को साफ सफाई व स्वच्छता के प्रति जागरुक किया जाये। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनपद गाजियाबाद में एम्स का सैटेलाइट सेंटर स्थापित होने जा रहा है। इसके लिये सभी आवश्यक प्रक्रियाओं को समय से पूर्ण किया जाए। इसी प्रकार जनपद बलरामपुर में के0जी0एम0यू0 के सैटेलाइट सेंटर की निर्माण प्रक्रिया के कार्यों को भी तेजी से आगे बढ़ाया जाये।सभी मेडिकल कॉलेज, जिला चिकित्सालयों, सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में साफ-सफाई व स्वच्छता की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सभी चिकित्सालयों में डॉक्टर्स, पैरामेडिकल स्टाफ व अन्य कार्मिक जवाबदेही के साथ कार्यों को क्रियान्वित करें, ताकि सरकार की मंशा के अनुरुप लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ प्राप्त हो सके। डॉक्टर्स इमरजेंसी केसों को पूरी संवेदनशीलता के साथ देखें।

102 व 108 एम्बुलेंस सेवा अच्छा कार्य कर रही हैं। इनके कार्यों को और बेहतर किया जाए। सभी चिकित्सालयों में सुरक्षा की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग प्रिंसिपल्स, डॉक्टर्स व अन्य सहयोगी स्टाफ की भर्ती प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाएं। विशेषज्ञ डॉक्टर्स को अच्छे मानदेय व कार्य के अनुसार इंसेंटिव की सुविधा के साथ जोड़ा जाए। राज्य सरकार ईज ऑफ लिविंग व ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। प्राइवेट हॉस्पिटल्स के बेहतर कार्यों को देखते हुए उनके रजिस्ट्रेशन की समयावधि को कम से कम तीन से पांच वर्ष तक किया जाए।

केदारेश्वर सेवा समिति दारा बैठक कर दुर्गा पूजन का किया आयोजित

सत्ता सकेंत संवादाता।

पुरवा उन्नाव नगर के मोहल्ला दलीगढ़ी में संचालित श्री केदारेश्वर सेवा समिति(रजि) की बैठक केदारेश्वर मन्दिर प्राँगण पुरवा में आयोजित की गई। नवरात्रि पर्व को देखते हुए केदारेश्वर मन्दिर में माता की आरती एवं पूजन और हवन के पश्चात कन्याभोज तथा समिति द्वारा विजयदशमी के पर्व पर विशाल प्रसाद का आयोजन होना सुनिश्चित हुआ है। श्री केदारेश्वर सेवा समिति द्वारा विगत 8 वर्षों से लगातार इसी तरीके से कार्यक्रम संचालित होते रहते हैं। इस पर समिति के पदाधिकारी कौशलेंद्र शंकर शुक्ल ने बताया कि हम लोगो ने सनातन धर्म मे जन्म लिया है तो हमारा ये दायित्व है कि समाज मे सनातन धर्म के उत्थान के लिए धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन करते रहे और अपने देवी देवताओं की पूजा अर्चना कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करते रहे।

समिति का प्रयास सनातन धर्म के प्रति लोगो को जागरूक कर समाज मे व्याप्त बुराइयों को खत्म करना है। इसके लिए सभी सनातनी भाई बहनों को एकजुट करना समिति का उद्देश्य है। इस अवसर पर पं शिवशंकर मिश्र, सुरेंद्रनाथ पांडेय,पप्पू शुक्ल, रज्जनलाल, मोहिनीश शुक्ल,शुभाशीष शुक्ल, रवि वाजपेयी,शैलेन्द्र वाजपेयी, अनुराग तिवारी,प्रदीप पाल व मुकेश कुमार सहित तमाम सदस्यगण उपस्थित रहे।

नेताओं की तरह अधिकारी भी करने लगे झूठे वादे 15 दिन का वादा करके भ्रष्टाचार के मामले को किया रफा दफा

सत्ता सकेंत संवादाता।

उन्नाव। भ्रष्टाचार की जांच वा खुली बैठक का मामला ग्राम सभा में कई महीने से चल रहा था अधिकारियों ने मामले को रफा दफा कर ग्रामीणों को किया निराशबीघापुर क्षेत्र के ब्लॉक सुमेरपुर के अंतर्गत ग्राम सभा कल्याणपुर प्रथम में शिकायतकर्ता बृजेंद्र शुक्ला की भ्रष्टाचार की शिकायतों पर अधिकारियों द्वारा ग्राम सभा में कई खुली बैठक व कुछ जांचे की गई लेकिन उसके बाद अधिकारियों ने 15 दिनों वादा करके मामले को रफा कर दिया है।ब्लॉक सुमेरपुर क्षेत्र में हो रहा भ्रष्टाचार वैसे तो अपने चरम सीमा पर है। लेकिन उसके बाद भी अधिकारियों के कानों में जूं तक नहीं रेंगती है। यहां तक की कोई अगर प्रधान व अधिकारियों के भ्रष्टाचार के खिलाफ शिकायत करता है। तो उसी के ऊपर मुकदमा लिखवा कर उसे पूरी तरह परास्त करने की कोशिश की जाती है।

ऐसा ही एक मामला ग्राम सभा कल्याणपुर प्रथम का है। जहां पर बृजेंद्र शुक्ला लगभग 2 सालों से ग्राम सभा में हुए भ्रष्टाचार की शिकायत कर रहा था। उसके बाद भी अधिकारियों को कोई फर्क नहीं पड़ रहा था। मामला जब अखबारों तक पहुंचा तो अधिकारियों में थोड़ी हलचल मची और वह ग्राम सभा में खुली बैठक का प्रस्ताव रखने लगे यहां तक की लगभग 2 महीने में अधिकारियों द्वारा ग्राम सभा में चार बार खुली बैठक वह दो बार मौके की जांच की गयी। उसके बाद पूर्व डीसी मनरेगा उन्नाव ने ग्रामीणों से वादा किया कि 15 दिन बाद हम दोबारा से टीम गठित करके खुली बैठक करेंगे व पूरे ग्राम सभा की मौके पर जाकर जांच करेंगे। लेकिन लगभग एक महीना बीत गया है उसके बाद अधिकारी शांत बैठे हुए हैं। शिकायतकर्ता बृजेंद्र शुक्ला का कहना है कि जो भी ग्रामीणों की शिकायतें थी। उनमें गलत रिपोर्ट लगा दी गई है। जिलाधिकारी उन्नाव ने आश्वासन दिया था कि ग्राम सभा में निष्पक्ष जांच होगी लेकिन सभी अधिकारी मामले को दबाने में लगे हुए हैं। ऐसे में तो जिलाधिकारी खुद टीम बनाकर ग्राम सभा में हुए भ्रष्टाचार की जांच के लिए आए तभी कोई कार्रवाई हो सकती है। और अगर ऐसे ही चलता रहा तो हम 2 अक्टूबर 2024 को मुख्यमंत्री कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अपनी सारी शिकायतों का ब्यवरा देंगे।

मिंत्रा का बिग फैशन फेस्टिवल 26 सितंबर से

नयी दिल्ली, एजेंसी।

ऑनलाइन फैशन मार्केटप्लेस मिंत्रा का प्रतीक्षित बिग फैशन फेस्टिवल (बीएफएफ) 26 सितंबर से शुरू हो रहा है।कंपनी ने आज यहां कहा कि इस संस्करण में टाईटल स्पॉन्सर ह्यबोटह्ल है। इस फेस्टिवल में पिछले संस्करण के मुकाबले 47 प्रतिशत ज्यादा लगभग 34 लाख स्टाईल होंगे। ग्राहकों को घरेलू, अंतर्राष्ट्रीय और स्वदेशी श्रेणियों में 9700 से ज्यादा अग्रणी ब्रांड के साथ विभिन्न श्रेणियों में विस्तृत उत्पाद खरीदने का मौका मिलेगा। मिंत्रा के लॉयल्टी प्रोग्राम के सदस्य, मिंत्रा इनसाईडर्स बिग फैशन फेस्टिवल की अरली एक्सेस 24 घंटे पहले यानी 25 सितंबर को प्राप्त कर सकेंगे।

सपनों के घर और किराए के घर में अंतर की करें परख

घर किराए का हो यह अपना दोनों के अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं। अपना घर जहां आपके लिए एक बड़ी संपत्ति साबित होता है वहीं किराए का घर आपको मेन्टेनेंस का खर्च, करों के भुगतान व अन्य कई प्रकार की चिंताओं में उलझा देता है। लेकिन अगर आप किसी ग्रामीण क्षेत्र से निकलकर शहरी क्षेत्र में बसना चाहते हैं या नौकरी के सिलसिले में किसी महानगर में जा रहे हैं तो आपको अपने खुद के घर और किराए के घर के अंतर को समझना जरूरी है

महंगाई के इस दौर में आम आदमी के लिए अपने सपनों का घर बनाना बेहद मुश्किल काम है। अगर किसी तरह बैंक से लोन लेकर घर खरीद भी लिया तो इसके रखरखाव पर हर साल होने वाले खर्च का बोझ उठाना हर किसी के बस में नहीं होता। फिर भी लोग अपना घर खरीदने के सपने देखते हैं और हर संभव कोशिश करते हैं कि वह जल्द से जल्द अपने सपनों का आशियां बना लें, क्योंकि वे जानते हैं कि घर खरीदने के बाद उनकी अपनी एक अचल संपत्ति होगी जिसकी कीमतें साल दर साल बढ़ती ही रहेंगी और बुरे वक्त में उनके लिए यह संपत्ति काफी मददगार साबित होगी। लेकिन बहुत से लोग ऐसे भी हैं जो घर खरीदने की तुलना में किराए पर घर लेकर जिन्दगी गुजारना ज्यादा बेहतर समझते हैं। किराए के घरों में रहने वाले लोगों का कहना है कि किराए के मकान में न तो मेन्टेनेंस की चिंता और न ही हाउस टैक्स की चिंता। बस किराया और बिजली का बिल देते रहिये और पूरी जिन्दगी चैन के साथ गुजार दीजिये। जाहिर है हर व्यक्ति की अपनी सोच होती है और अपने निर्णय होते हैं लेकिन आइए आज हम भी यह जानने की कोशिश करते हैं कि किराए के घर में रहना बेहतर है या अपना घर खरीदकर रहना ज्यादा बेहतर होता है।

अपना घर खरीदने के फायदे

घर खरीदना या किराए पर लेना एक महत्वपूर्ण वित्तीय निर्णय है, और इसमें दोनों ही विकल्पों के अपने-अपने फायदे और नुकसान होते है। घर खरीदना अक्सर एक दीर्घकालिक निवेश के रूप में देखा जाता है, जो समय के साथ मूल्य में वृद्धि करता है। यह आपके जीवन में स्थिरता और सुरक्षा प्रदान करता है, क्योंकि घर आपका स्वयं का होता है और आप इसमें पूर्ण नियंत्रण रखते है। घर खरीदने पर आपको आयकर में छूट भी मिलती है, विशेष रूप से होम लोन के ब्याज पर छूट, जो आयकर की धारा 80सी और 24बी में दी गई है। इसके अलावा, घर खरीदने के बाद आप अपनी पसंद के अनुसार सजावट और बदलाव कर सकते है, जो किराए पर रहने की स्थिति में संभव नहीं होता। इसके अलावा परिवार पर आर्थिक संकट आने की स्थिति में घर को बेचकर इस संकट से निपटना जा सकता है। इस तरह, घर खरीदना दीर्घकालिक स्थिरता और मूल्य वृद्धि का एक उत्कृष्ट विकल्प हो सकता है। आइए अब जानते हैं किराए के घर के फायदे।

किराए पर रहने के लाभ

किराए पर रहने के कई फायदे है जो इसे घर खरीदने की तुलना में एक आकर्षक विकल्प बनाते है। सबसे पहले, किराए पर रहना आमतौर पर घर खरीदने की तुलना में कम खर्चीला होता है। इसमें आपको डाउन पेमेंट की चिंता नहीं होती, जो घर खरीदने के मामले में एक बड़ी वित्तीय बाधा हो सकती है। किराए पर रहने का एक बड़ा लाभ यह है कि यह आपको लचीलापन प्रदान करता है। यदि आपकी नौकरी बदलती है या आपकी लोकेशन पसंद नहीं आती, तो आप आसानी से घर बदल सकते है। इसके अलावा, किराए पर रहने से आप प्रॉपर्टी टैक्स, मेंटेनेंस, रेनोवेशन और पार्किंग जैसी अतिरिक्त लागतों से बच सकते है, जो घर खरीदने की स्थिति में आमतौर पर आपको वहन करनी पड़ती है।

किराएदारी के कुछ नकारात्मक पहलू

किराए पर रहने के कुछ नुकसान भी हैं, जो आपको घर खरीदने की ओर झुका सकते हैं। सबसे बड़ा नुकसान यह है कि मकान मालिक कभी भी आपसे घर खाली करने की मांग कर सकता है, जिससे स्थिरता की कमी होती है। इसके अलावा, किराए पर रहने से आप घर की पूरी कीमत का मालिक नहीं बन पाते, और यह आपके दीर्घकालिक निवेश का हिस्सा नहीं बनता। जबकि घर खरीदना एक स्थायी निवेश होता है, जो जीवन भर चलता है और इसके मूल्य में समय के साथ वृद्धि होती है। किराए पर रहते समय, आपको घर की मेंटेनेंस और अन्य खर्चों की चिंता नही करनी होती, लेकिन आपको स्थिरता की कमी का सामना करना पड़ता है।

सोच समझकर करें फैसला

घर खरीदने के लिए कई वित्तीय पहलुओं पर विचार करना आवश्यक है। यदि आप अपना पहला घर खरीद रहे है, तो यह सलाह दी जाती है कि आप अधिक से अधिक पैसे खुद से लगाएं और लोन की राशि कम से कम रखें। इसका कारण यह है कि होम लोन की चुकौती की अवधि जितनी कम होगी, आपकी मासिक ईएमआई उतनी ही अधिक होगी। इसके अलावा, घर खरीदने का निर्णय तब लेना चाहिए जब आप वहां लंबे समय तक रहने का इरादा रखते हों। यदि आपकी योजना 4-5 साल में घर बेचने की है, तो किराए पर रहना अधिक उचित हो सकता है। घर खरीदते समय, आपको न केवल ईएमआई चुकानी होती है, बल्कि डाउन पेमेंट, रजिस्ट्रेशन शुल्क, कानूनी खर्च और अन्य संबंधित शुल्क भी जोड़ने पड़ते है। इन सभी खर्चों को ध्यान में रखते हुए, घर खरीदने का निर्णय अच्छी तरह से सोच समझकर करना चाहिए।

खास खबर

पाकिस्तान में युवक पर लगा ईशनिंदा का आरोप

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की पुलिस ने साहीवाल जिले के चिचावतनी शहर के एक युवक (25) पर सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट को लेकर ईशनिंदा का आरोप लगाया है।स्थानीय अखबार डॉन ने सोमवार को बताया कि शनिवार रात चिचावतनी के सदर थाना के सहायक उप-निरीक्षक शमसुल हसन की शिकायत पर युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। वह शख्स इस्लामाबाद में सीनेट का कर्मचारी था, लेकिन हाल ही में उसे नौकरी से हटा दिया गया।रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान दंड संहिता की धारा और आतंकवाद विरोधी अधिनियम की धारा के तहत दर्ज प्रथामिकी के अनुसार, संदिग्ध पर चार अलग-अलग पोस्ट में पवित्र पैगंबर मुहम्मद के खिलाफ घृणास्पद सामग्री साझा करने का आरोप लगाया गया है।

लेबनान एक और गाजा में हो सकता है तब्दील: गुटेरेस

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने रविवार को कहा कि इजरायल और हिज्बुल्लाह के मध्य बढ़ते हमलों के बीच लेबनान एक और गाजा में तब्दील हो सकता है।श्री गुटेरेस ने अमेरीकी समाचार आउटलेट सीएनएन के साथ एक साक्षात्कार के दौरान कहा कि लेबनान में संचार उपकरणों के हाल ही में विस्फोट का मतलब है कि बहुत अधिक वृद्धि की संभावना है जिसके बारे में उन्हें डर है कि यह दुनिया के लिए विनाशकारी त्रासदी हो सकती है।लेबनान के लिए संयुक्त राष्ट्र की विशेष समन्वयक जीनिन हेनिस ने एक्स पर कहा, 'क्षेत्र एक आसन्न तबाही के कगार पर है और इसे अनदेखा नहीं किया जा सकता है, ऐसा कोई सैन्य समाधान नहीं है जो किसी भी पक्ष को सुरक्षित कर सके।'उल्लेखनीय है कि गत मंगलवार और बुधवार को लेबनान में संचार उपकरणों में विस्फोट के बाद इजरायल-लेबनान सीमा पर तनाव तेजी से बढ़ गया है।

मोरक्को में आठ टन से अधिक भांग जब्त

रबात। मोरक्को में शनिवार को पश्चिमी बंदरगाह शहर सफी में एक अभियान के दौरान 8.1 टन भांग राल जब्त की गयी। राष्ट्रीय सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएसएन) ने रविवार को यह घोषणा की। डीजीएसएन ने एक बयान में कहा कि स्थानीय पुलिस और सुरक्षा अधिकारियों ने मोरक्को में पंजीकृत एक मालवाहक ट्रक में छिपाए गए भांग राल की 199 गांठें जब्त कीं जिन्हें समुद्र के रास्ते अंतरराष्ट्रीय शिपमेंट के लिए भेजा जाना था।अधिकारियों ने 24 से 48 वर्ष की आयु के 21 व्यक्तियों को मादक पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क में उनकी संदिग्ध संलिप्तता के लिए गिरफ्तार किया।

89 वर्ष के हुये प्रेम चोपड़ा

मुंबई, एजेंसी।

बॉलीवुड के जानेमाने अभिनेता प्रेम चोपड़ा आज 89 वर्ष के हो गये।प्रेम चोपड़ा का जन्म 23 सितंबर 1935 को लाहौर में हुआ। वह अपने छह भाई बहनों में तीसरे नंबर पर थे। भारत विभाजन के बाद उनका परिवार शिमला आ गया, जहां उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी की। इसके बाद उन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय से स्नातक की शिक्षा पूरी की। इस दौरान वह कॉलेज में अभिनय भी किया करते थे।स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद प्रेम चोपड़ा ने निश्चय किया कि वह अभिनेता के रूप फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनायेंगे। हालांकि उनके पिता चाहते थे वह डॉक्टर बने लेकिन उन्होंने अपने पिता से साफ शब्द में कह दिया कि वह अभिनेता बनना चाहते हैं। अपने सपने को साकार करने के लिये वह पचास के दशक के अंतिम वर्षो में मुंबई आ गये। मुंबई आने के बाद प्रेम चोपड़ा को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।अपने जीवन यापन के लिये वह टाईम्स ऑफ इंडिया के सकुर्लेशन विभाग में काम करने लगे। इस दौरान फिल्मों में काम करने के लिये वह संघर्षरत रहे। इस बीच उन्हें एक पंजाबी फिल्म चौधरी करनैल सिंह में काम करने का अवसर मिला।वर्ष 1960 में प्रदर्शित यह फिल्म टिकट खिड़की पर सुपरहिट हुयी और वह दर्शको के बीच अपनी पहचान बनाने में कुछ हद तक कामयाब हो गए।वर्ष 1964 में प्रेम चोपड़ा की एक अहम फिल्म वो कौन थी प्रदर्शित हुयी। राज खोसला के निर्देशन में बनीं मनोज कुमार और साधना की मुख्य भूमिका वाली रहस्य और रोमांच से भरी इस फिल्म में प्रेम चोपड़ा खलनायक की भूमिका में दिखाई दिये।फिल्म सफल रही और वह हिंदी फिल्मों में खलनायक के रूप में कुछ तक अपनी पहचान बनाने में कामयाब हो गये। वर्ष 1965 में प्रेम चोपड़ा की एक महत्वपूर्ण फिल्म शहीद प्रदर्शित हुयी। देश भक्ति के जज्बे से परिपूर्ण इस फिल्म में उन्होंने अपने किरदार से दर्शको का दिल जीत लिया। इसके बाद उन्हें तीसरी मंजिल और मेरा साया जैसी फिल्मों में अभिनय करने का मौका मिला। इन फिल्मों में उनके अभिनय के विविध रूप देखने को मिले।वर्ष 1967 में प्रेम चोपड़ा को निमार्ता- निर्देशक मनोज कुमार की फिल्म उपकार में काम करने का अवसर मिला। जय जवान जय किसान के नारे पर बनी इस फिल्म में उन्होंने मनोज कुमार के भाई की भूमिका निभाई।उनकी यह भूमिका काफी हद तक ग्रे शेडस लिये हुयी थी। इसके बावजूद वह दर्शको की सहानुभूति पाने में कामयाब रहे।फिल्म उपकार की कामयाबी के बाद प्रेम चोपड़ा को कई अच्छी और बड़े बजट की फिल्मों के प्रस्ताव मिलने शुरू हो गये जिनमें एराउंड द वर्ल्ड, झुक गया आसमान,डोली,दो रास्ते,पूरब और पश्चिम,प्रेम पुजारी, कटी पतंग, दो रास्ते, हरे रामा हरे कृष्णा, गोरा और काला और अपराध जैसी फिल्में शामिल थी। इन फिल्मों में उन्हें देवानंद, राजकपूर, राजेश खन्ना और राजेन्द्र कुमार जैसे सितारों के साथ काम करने का अवसर मिला और वह सफलता की नयी बुलंदियों पर पहुंच गए।वर्ष 1973 में प्रदर्शित फिल्म बॉबी प्रेम चोपड़ा के सिने कैरियर के लिये मील का पत्थर साबित हुयी। बॉलीवुड के पहले शो मैन राजकपूर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में एक मवाली गुंडे की एक छोटी सी भूमिका में दिखाई दिये। इस फिल्म में उनका बोला गया यह संवाद प्रेम नाम है मेरा प्रेम चोपड़ा दर्शको के जेहन में आज भी ताजा है।वर्ष 1976 में प्रदर्शित फिल्म दो अनजाने प्रेम चोपड़ा की एक और अहम फिल्म साबित हुयी। अमिताभ बच्चन और रेखा की मुख्य भूमिका वाली इस फिल्म में प्रेम चोपड़ा ने अमिताभ बच्चन के दोस्त की भूमिका निभाई थी। अपने दमदार अभिनय के लिये वह सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता के फिल्म फेयर पुरस्कार से सम्मानित किए गये।वर्ष 1983 में प्रदर्शित फिल्म सौतन प्रेम चोपड़ा अभिनीत महत्वपूर्ण फिल्मों में शुमार की जाती है। सावन कुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म में राजेश खन्ना पद्मिनी कोल्हापुरी और टीना मुनीम ने मुख्य भूमिकाएं निभाई। इस फिल्म में उनका संवाद मैं वो बला हूं जो शीशे से पत्थर को तोड़ता हूं आज भी दर्शको की जुबान पर है। प्रेम चोपड़ा ने अपने छह दशक लंबे सिने कैरियर में 400 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया है।

सना बोलीं-लाइफ में पीछे मुड़कर देखती हूं तो रोती हूं:गिल्ट महसूस होता है

2020 में अध्यात्म के लिए छोड़ दी थी फिल्म इंडस्ट्री

मुंबई, एजेंसी।

बिग बॉस 6, जय हो में काम कर चुकीं एक्ट्रेस सना खान ने 2020 में एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री को बाय-बाय कह दिया था। वह अध्यात्म की राह पर चल पड़ी थीं। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस बात का खुलासा करते हुए कहा था कि अब अल्लाह के बताए रास्ते पर चलकर मानवता की सेवा करेंगी। इसके बाद सना ने सूरत के मौलवी अनस सैयद से शादी कर ली थी। अब सना ने एक इंटरव्यू में अपनी चैलेंजिंग जर्नी के बारे में बात की है। उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी पिछली ग्लैमरस लाइफ की वजह से गिल्ट महसूस होता है। सना ने कहा, मैं बहुत घरेलू लड़की थी, सलवार कमीज पहनती थी, मेरे बालों में तेल लगा होता था जब मैं कॉलेज जाती थी। मैं पता नहीं कैसे शॉर्ट स्कर्ट और बैकलेस पहनने वाली स्टेज पर पहुंच गई। जब मैं पीछे मुड़कर अपनी लाइफ देखती हूं तो रो पड़ती हूं। मुझे अपनी गलतियों का एहसास होता है। ग्लैमर इंडस्ट्री छोड़ने के बाद मुझे अपनी पिछली लाइफ को लेकर बेहद गिल्ट महसूस होता है। लाइफ में आए बदलाव के बाद अब मैं बेहद एक्सप्रेसिव हो गई हूं। पहले मैं कंट्रोल करती थी लेकिन अब मुझे खूब रोने का मन करता है। हर कोई मुझसे कहता है कि तुम रोती क्यों रहती हो लेकिन मैं क्या करूं। सना ने कहा था-ग्लैमर ने अंधा कर दिया था इससे पहले भी एक इंटरव्यू में सना ने शोबिज छोड़ने के अपने फैसले के बारे में भी सना ने बात की थी। उन्होंने कहा कि ग्लैमर और प्रसिद्धि ने उन्हें अंधा कर दिया था और वे पहले यह महसूस नहीं कर सकीं कि यह उनके लिए गलत पेशा था। सना ने कहा था- बहुत से लोगों ने पूछा कि मुझे यह महसूस करने में इतना समय क्यों लगा कि मैं गलत पेशे में थी। बहुत चीजें आपको तुरंत ही रियलाइज नहीं होती हैं। आपको इतना ग्लैमर और नाम मिल जाता है, या तो आपको कुछ दिखाई नहीं देता है या फैसला नहीं ले पाते हैं। मेरे केस में यह रोजी का सवाल था; मैं अपने परिवार में कमाने वाली अकेली थी। लॉकडाउन ने मुझे यह महसूस करने में मदद की कि मुझे यह कदम उठाना होगा। मैं जो काम कर रही थी, वह मेरा था ही नहीं। मैं इसके लिए आभारी हूं कि इंडस्ट्री ने मुझे क्या दिया है, लेकिन मुझे एहसास हुआ कि मैं वहां के लिए नहीं थी।

पेज 1 का शेष

सुलतानपुर की सराफा डकैती में...

की इनामी राशि वाले आरोपी को ढेर कर दिया।अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अखिलेश सिंह ने बताया कि आज तड़के करीब चार बजे एसटीएफ लखनऊ की टीम के साथ सुल्तानपुर में भरत ज्वैलर्स की दुकान में लूट के आरोपियों के साथ अचलगंज क्षेत्र में मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में एक बदमाश घायल हुआ है जबकि दूसरा मौके से भाग निकलने में सफल रहा।उन्होने बताया कि घायल बदमाश की शिनाख्त अनुज प्रताप सिंह निवासी ग्राम जनापुर थाना मोहनगंज जनपद अमेठी के रूप में की गई है। यह बदमाश एक लाख का इनामी था, जिसे घायलावस्था में 108 एंबुलेंस से पहले स्थानीय अस्पताल और फिर जिला अस्पताल इलाज के लिए भेजा गया था। जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अचलगंज पुलिस और फील्ड यूनिट द्वारा अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपी की तलाश में लगी एसटीएफ को सूचना मिली थी कि अचलगंज थाना क्षेत्र में आरोपी छिपा हुआ है। जिसके बाद उसे पकड़ने के लिए घेराबंदी करी गई। आरोपी ने खुद को घिरा हुआ देखकर पुलिस पर गोली चलानी शुरू कर दी। पुलिस ने भी आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसके परिणामस्वरूप आरोपी गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में उसकी जिला अस्पताल में मौत हो गई।

मुठभेड़ में मारा गया.....

बेटे का एनकाउंटर कर दिया। कहा कि सपा मुखिया अखिलेश यादव की इच्छा पूरी हो गई। ठाकुर का एनकाउंटर होने से उनकी इच्छा पूरी हो गई। सरकार की मर्जी है। जो सरकार कराए।एनकाउंटर में मारे गए अनुज सिंह की बहन अमीषा सिंह का कहना है कि जो भी हो रहा बहुत गलत है। सरकार मनमानी कर रही है। अगर किसी ने अपराध किया है तो उसको सजा कानून देगा लेकिन पुलिस ऐसे एनकाउंटर में मार रही है। पुलिस को वर्दी दी गई है जिसका गलत फायदा उठा रही है। जिस पर 36 मुकदमें हैं, उनका कुछ नहीं हुआ जिस पर एक मुकदमा था, उसका भी एनकाउंट कर दिया। अगर 15 लोग शामिल थे घटना में तो सभी का एनकाउंटर होना चाहिए। कोई इंसाफ नहीं मिल रहा है।

फर्जी एनकाउंटर नाइंसाफी.....

रखी थी, तो बीजेपी नेता मोहसिन रजा ने सवाल उठाते हुए कहा था, ह्लअनुज का अखिलेश जी की जाति का न होना या समुदाय विशेष का ना होना। इस जातिगत तुष्टिकरण और सांप्रदायिक राजनीति का कारण हो सकता है। यही है सपा मुखिया के समाजवाद की नई परिभाषा, जो उन्हें जातिगत राजनीति से ऊपर नहीं उठने देती।

बता दें कि यूपी एसटीएफ ने सराफा व्यापारी की दुकान पर डकैती मामले में मंगेश यादव और अनुज प्रताप सिंह को एनकाउंटर में ढेर कर दिया। अनुज पर एक लाख रुपये का इनाम था। वह डकैती के बाद से फरार चल रहा था। पुलिस कई दिनों से उसकी तलाश में जुटी थी। एसटीएफ ने उन्नाव के अचलगंज में उसकी लोकेशन ट्रेस कर उसे एनकाउंटर में ढेर कर दिया था। अनुज प्रताप सिंह अमेठी का रहने वाला था। वह सुल्तानपुर डकैती कांड का सरगना बताया जा रहा है। उसे घटना के मुख्य आरोपी विपिन सिंह का सबसे करीबी गुर्गा बताया जाता है। विपिन भी अमेठी का रहने वाला है। विपिन ने पुलिस के समक्ष सरेंडर कर दिया है। विपिन के साथ अनुज प्रताप सिंह गुजरात के डकैती कांड में भी शामिल था। एनकाउंटर में ढेर हुए अनुज पर दो मुकदमे दर्ज हैं। इसमें से एक मुकदमा सुल्तानपुर तो दूसरा गुजरात में दर्ज है।बता दें कि ज्वेलरी शॉप में सबसे पहले घुसने वाला अनुज ही था। अनुज ने ही शोरूम में बैठे दुकानदार भरत सोनी और उनके बेटे को पिस्तौल से धमकाया था। इसके बाद पलक झपकते ही अन्य आरोपी दुकान के अंदर घुसे और सारा सामान अपने साथ लेकर बाइक से चल दिए।इस डकैती कांड में कुल 14 बदमाश शामिल थे। इसमें 11 पर शिकंजा कसा जा चुका है, जबकि तीन अभी-भी फरार हैं। फरार चल रहे फुरकान, अरबाज और अंकित यादव पर एक लाख रुपये का इनाम है।

योगी राज में एनकाउंटर का....

आपराधिक मामलों में लिप्त 872 अपराधियों व अवैध नशा तथा हथियार तस्करों सहित 379 साइबर अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजा है। वहीं 7,015 कुख्यात और इनामी अपराधियों को गिरफ्तार किया है। एडीजी एसटीएफ अमिताभ यश ने बताया कि प्रदेश में अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए एसटीएफ की ओर से लगातार अभियान चलाया जा रहा है। एसटीएफ की सक्रियता से पिछले साढ़े सात वर्षों में 559 से अधिक आपराधिक घटनाओं को घटित होने से पहले रोका गया। इसमें जनप्रतिनिधि, प्रतिष्ठित व्यक्ति, आम नागरिकों के अपहरण, लूट, हत्या जैसे अपराध की घटनाएं शामिल हैं। साथ ही 3,970 संगठित अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। यश ने बताया कि एसटीएफ ने परीक्षाओं में नकल और पेपर लीक जैसी धांधली को रोकने एवं जड़ से खत्म करने के लिए 193 गिरोहों के 926 सरगना और साल्वरों के खिलाफ कार्रवाई की। इसी प्रकार अभियान चलाकर अवैध हथियारों के 189 तस्करों की गिरफ्तारी कर उनके कब्जे से 2,080 अवैध शस्त्र और 8,229 अवैध कारतूस बरामद किए गए हैं।उन्होंने बताया कि अवैध नशे के कारोबार में लिप्त 1,082 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके पास से 91147.48 किलो गांजा, 2054.651 किलो चरस, 19727.1 किलो डोडा, 7.06 किलो मारफीन, 723.758 किलो स्मैक, 21.521 किलो हेरोइन, 181.012 किलो अफीम व 6.1 किलो ब्राउन शुगर बरामद की गई।इसी प्रकार प्रतिबंधित वन्य जीवों का शिकार कर उनकी तस्करी करने वाले विभिन्न गिरोह के 170 सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 341 किलो कछुआ कैलीपी, 2 पैंगोलिन, एक बाघ की खाल, 18 किलो बाघ की हड्डी, दो हाथी दांत, 8011 कछुए, 563.1 किलो लाल चंदन की लकड़ी, 44 हाथी दांत से बनी वस्तुएं, तेंदुए के 25 दांत व 24 नाखून व 110 सियार सिंगी तथा अन्य वस्तुएं बरामद की गई हैं।इसी के साथ अविनाश ने कहा दिल्ली से सटा गौतमबुद्ध साइबर अपराधियों का सबसे बड़ा गढ़ बन गया है। सात वर्षों में यहां से 225 साइबर अपराधियों को दबोचा जा चुका है। एसटीएफ के डीएसपी दीपक सिंह ने बताया कि इसके अलावा लखनऊ से 116 व गाजियाबाद से नौ अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है।

खाली पद समय.....

ढंग से सभी प्रक्रियाएं सम्पन्न की जाएं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया के सम्बन्ध में ट्रान्सपोर्ट, एजेंसी एवं परीक्षा केन्द्रों के चयन की प्रक्रिया में सावधानी बरती जाए। हर हाल में गोपनीयता सुनिश्चित की जाए। अधिकृत एजेंसी के साथ चयन बोर्ड व आयोग का एम0ओ0यू0 भी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्राइवेट संस्था को परीक्षा केन्द्र न बनाया जाए। केवल राजकीय व राजकीय सहायता प्राप्त विद्यालयों को ही परीक्षा केन्द्र बनाया जाए। परीक्षा केन्द्र का चयन जिलाधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक के निर्देशन में किया जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि परीक्षा सकुशल सम्पन्न कराने के सम्बन्ध में सभी बोर्ड एवं आयोग के अध्यक्ष मुख्य सचिव व पुलिस महानिदेशक के साथ बैठक करें। इस बैठक से पुलिस आयुक्तों, जिलाधिकारियों तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों/पुलिस अधीक्षकों को भी जोड़ा जाए। परीक्षा सकुशल सम्पन्न कराने के लिए आर्टिफिशियल इण्टेलीजेंस व सी0सी0टी0वी0 कैमरों का भी उपयोग किया जाए। अफवाह को रोकने पर पूरा ध्यान दिया जाए।मुख्यमंत्री जी ने सभी भर्ती बोर्ड व आयोगों के अध्यक्षों से कहा कि भर्ती प्रक्रिया को समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ाने के लिए क्वेश्चन बैंक तैयार करें। परीक्षा की शुचिता के लिए यह नितान्त आवश्यक है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा व तकनीकी विभागों में स्थानीय स्तर पर बोर्ड गठित करके शीघ्र भर्ती की जाए।

हमने मोदी का आत्मविश्वास.....

नया कानून लाते हैं। श्री मोदी जी का कॉन्फिडेंस खत्म हो चुका है। उनकी साइकोलॉजी को हमने तोड़ दिया है। यह उनके चेहरे पर साफ दिखता है। श्री मोदी पहले जैसे थे, वे अब वैसे नहीं रहे।उन्होंने कहा भाजपा-आरएसएस के लोग पूरे देश में नफरत और हिंसा फैलाते हैं और भाई को भाई से लड़ाते हैं। इनकी राजनीति भी नफरत की है और नफरत को नफरत से नहीं काटा जा सकता। नफरत को सिर्फ मोहब्बत से ही खत्म किया जा सकता है। श्री मोदी ने पूरे देश में बेरोजगारी फैला रखी है और वह केवल देश के दो-तीन अरबपतियों को फायदा पहुंचाते हैं। एक तरफ मोदी सरकार ने चंद अरबपतियों का 16 लाख करोड़ का कर्ज माफ कर दिया तो दूसरी तरफ नोटबंदी, गलत जीएसटी लागू कर छोटे व्यापारियों और एमएसएमई को खत्म कर दिया। इसका नतीजा ये हुआ कि आज देश में कहीं भी रोजगार नहीं बन पा रहे हैं। हमारी सोच थी कि चुनाव से पहले जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा मिल जाना चाहिए, लेकिन भाजपा सरकार ने ऐसा नहीं किया। चुनाव के बाद हम सरकार पर दबाव डालेंगे कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा मिले।कांग्रेस नेता ने कहा, ह्लहिंदुस्तान में बहुत बार ऐसा हुआ है जब केंद्र शासित प्रदेश को राज्य बनाया गया है। कई बार राज्यों को दो भाग में बांटा गया है लेकिन इतिहास में पहली बार हुआ जब राज्य को केंद्र शासित प्रदेश बनाकर जम्मू-कश्मीर का हक छीना गया इसलिए हम चाहते हैं जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा वापस मिले और इसके लिए हम सरकार पर दबाव बनाएंगे और अगर ये नहीं करेंगे तो हम कर के देंगे। ये विचारधारा की लड़ाई है। एक तरफ नफरत फैलाने वाले लोग हैं दूसरी तरफ मोहब्बत की दुकान खोलने वाले लोग हैं।उन्होंने कहा, ह्ल कांग्रेस विचारधारा की लड़ाई लड़ती है और इसके लिए हम कन्याकुमारी से कश्मीर तक चले फिर मणिपुर से महाराष्ट्र तक चले। इसका संदेश एक ही था-नफरत से किसी को फायदा नहीं होता इसलिए हमने हर नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोली है लेकिन भाजपा-आरएसएस नफरत और हिंसा फैलाते हैं।

हिन्दी दैनिक सत्ता संकेत R.N.I. No.: UPHIN/2016/69492
स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एंव सम्पादक जूही सिन्हा द्वारा रूद्राक्ष प्रिन्टर्स, 89/211, राम गोपाल विद्यान्त रोड, मकबूलगंज लखनऊ (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर एंव म.न.- 592/823, बंगाली टोला, खरिका, तेलीबाग, लखनऊ (उ.प्र.)-226029 से प्रकाशित। मो0- 9198670986, ई मेल- sattasanket@gmail.com
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।